राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 11 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–166 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संजय राउत ने बगदाद के खलीफा हारुन-अल-रशीद से की देवेंद्र फडणवीस की तुलना, अमृता का जताया आभार

एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र में नई सरकार बनी है। इसके बाद पिछले कुछ दिनों से चल रहा सत्ता का ड्रामा खत्म हो गया। संजय राउत ने फडणवीस पर निशाना साधा है।

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र में नई सरकार बनी है। इसके बाद पिछले कुछ दिनों से चल रहा सत्ता का ड्रामा खत्म हो गया। शिवसेना नेता संजय राउत ने फडणवीस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, भाजपा लगातार कहती रही कि उनका शिंदे के विधायकों के खिलाफ विद्रोह से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन अमृता फडणवीस ने उनके दावों को खोखला साबित कर दिया।

संजय राउत ने कहा, महाराष्ट्र में काले धन की बाढ़ कैसे आई। नागपुर और ठाणे के हारून-अल-रशीद भेष बदलकर बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को विभाजित करने की साजिश को अंजाम देने के लिए मिल रहे थे।÷ राउत ने कहा, %%एकनाथ शिंदे ने विधायकों के साथ जो बगावत की इसका भाजपा से संबंध नहीं है, ऐसा कहनेवाले भाजपाइयों की पोल खुल चुकी है।

शिंदे ने खुद ही पर्दे के पीछे की सारी साजिश विधानसभा में खोलकर रख दी और अब अमृता फडणवीस ने भी घर का गुप्त राज सार्वजनिक कर दिया है। आपको बता दें कि अमृता ने कहा था कि इस पूरे दौर में देवेंद्र फडणवीस रात-बिरात वेश बदलकर शिंदे से मिलने बाहर जाते थे।

अमृता फडणवीस का जताया आभार

राउत ने कहा, काला कोट, काला चश्मा, फेल्ट हैट इस तरह जेम्स बॉन्ड अथवा शेरलॉक होम्स जैसा वेश बनाकर वे बाहर निकलते रहे होंगे। उनके मुंह में सिगार वगैरह और हाथ में नक्काशीदार छड़ी होती थी क्या? इसका खुलासा होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी कपड़ों के व रूप बदलकर घूमने के शौकीन हैं, परंतु फडणवीस भी वही करने लगे। उन्होंने शिंदे से मिलने जाने के दौरान कई बार नकली दाढ़ी और मूंछें भी लगाई होंगी। इन तमाम रहस्यों से उनकी पत्नी अमृता फडणवीस ने पर्दा नहीं उठाया होता तो इस महान कलाकार से महाराष्ट्र का परिचय नहीं हुआ होता। अमृता फडणवीस का जितना आभार माना जाए उतना कम ही है।

शिवसेना सांसद ने सामने में अपने संपादकीय में आगे लिखा, %%फडणवीस ने महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन कराने के लिए जो वेश बदला वो तमाम कपड़े और दूसरी सामग्री आनेवाली पीढ़ी के लिए किसी संग्रहालय में ही रखनी चाहिए। बगदाद के खलीफा हारुन-अल-रशीद कई बार वेश बदलकर अपने राज्य में रात में घूमते थे। परंतु वे क्यों घूमते होंगे? अपने राज्य का प्रशासन, सरदार प्रजा से सही बर्ताव कर रहे हैं न? प्रजा की समस्या क्या है? अपना शासन सुचारु ढंग से चल रहा है न? राज-काज करने के दौरान कोई हमें फंसा तो नहीं रहा है न? ये जानने के लिए। परंतु नागपुर व ठाणे के हारुन-अल-रशीद वेश बदलकर मिलते थे, तो बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को तोड़ने की साजिश को अंजाम तक पहुंचाने के लिए। हारुन-अल-रशीद एक महान खलीफा होने के साथ-साथ बगदाद के लिए जिस तरह से अच्छे राजा थे उसी तरह चोर और लुटेरों की भी भरमार थी।

अमन की दरगाह से नफरत का पैगाम! दहशत में पर्यटक, व्यापारियों को करोड़ों का नुकसान; कौन जिम्मेदार?

अजमेर। उदयपुर हत्याकांड के बाद पर्यटक स्थल दरगाह अजमेर शरीफ अचानक सुर्खियों में आ गया। यहां दरगाह के एक खादिम सलमान चिश्ती ने नूपुर शर्मा का सर कलम करने की बात कही। जिसके बाद से अमन और भाईचारे के लिए विश्व प्रसिद्ध यह दरगाह अचानक चर्चा में आया। अब अजमेर शरीफ का एक अन्य वीडियो वायरल हुआ है। इस बार खादिम नया है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो दरगाह के खादिम गौहर चिश्ती का है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में गौहर चिश्ती का कनेक्शन उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड से भी जोड़ा जा रहा है। कहा जा रहा है कि गौहर चिश्ती ने 17 जून को दरगाह के बाहर सर तन से जुदा करने वाली नारेबाजी करवाई थी। हालांकि, अभी पुलिस गौहर चिश्ती तक नहीं पहुंच सकी है। कहा जा रहा है कि उसने कन्हैयाल की हत्या से पहले रियाज से मुलाकात भी की थी। अब चिश्ती फाउंडेशन के चेयरमैन हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने इस पूरे मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। सलमान चिश्ती ने कहा कि इस तरह के नारों को दरगाह अजमेर शरीफ से नहीं जोड़ा जाना चाहिए और इनका बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम इन गैर-इस्लामिक और अमानवीय नारों का पूरी तरह से बहिष्कार करते हैं। जो लोग इस तरह के नारे लगा रहे हैं वही इस हिंसा, मौतों और विध्वंस के जिम्मेदार हैं। दुनिया को यह समझना चाहिए कि इससे दरगार अजमेर शरीफ का कोई लेना-देना नहीं है।

मौलवियों के उत्तेजक बयानों से बिगड़ा माहौल

एक स्थानीय वेंडर ने कहा कि मौलवियों द्वारा उत्तेजक बयान देने की वजह से सूफी श्राइन में अब भक्त कम आने लगे हैं। पहले से हमारी बिक्री भी काफी कम हो गई है। यहां के सभी दुकानदार एक तरह से मंदी का सामना कर रहे हैं। लोग बाहर इसलिए नहीं आ रहे हैं क्योंकि वो डरे हुए हैं।

ओमप्रकाश राजभर-शिवपाल से बढ़ती दूरियों के बीच अखिलेश को मिलने लगे नए 'हमराह', बेगाने आ रहे सपा के नजदीक

लखनऊ। यूपी की सियासत में समाजवादी पार्टी के लिए पिछले कुछ दिनों से संकट की स्थिति दिख रही है। विधानसभा चुनाव और उसके बाद आजमगढ़-रामपुर लोकसभा उपचुनाव में हार के बाद 'अपनो' ने अलग-अलग कारणों से दूरी बनानी शुरू कर दी है। हालांकि इसी बीच कुछ 'बेगाने' माने जाने वाले नजदीक आ रहे हैं। ओम प्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा सपा से हाथ छुड़ाने की तैयारी में दिखती है तो संकट के वक्त कांग्रेस सपा की हमराह बनती दिख रही है। राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के पक्ष में सपा और कांग्रेस साथ साथ हैं। इसलिए जब अखिलेश यादव ने लखनऊ में यशवंत सिन्हा के पक्ष में रात्रि भोज का आयोजन किया तो ओम प्रकाश राजभर व शिवपाल यादव को नहीं बुलाया गया। लेकिन कांग्रेस की नेता व विधायक अराधना मिश्र मोना इस आयोजन में शामिल हुई। विधान परिषद में जब सपा का नेता प्रतिपक्ष का दर्जा खत्म किया गया तो सपा ने इस पर ऐतराज जताया। इस मुहिम में कांग्रेस ने सपा का साथ दिया और इसे सरकार का मनमाना निर्णय बताया। कांग्रेस के पूर्व एमएलसी दीपक सिंह ने इसे नियम विरुद्ध बताया। असल में 2017 के चुनाव बाद सपा कांग्रेस की राहें अलग हो गईं लेकिन दोनों के बीच उस तरह की तल्खी नहीं आई जितनी सपा बसपा के रिश्तों में आ चुकी है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और सपा एक दूसरे के नजदीक आते दिखें तो कोई हैरत नहीं। इसकी वजह है कि इस पर कोई नीतिगत मतभेद जैसी स्थिति नहीं है।

सपा कांग्रेस पर सीधे हमला करने से बचती है। विपक्षी एकता तो अब बिखर रही है लेकिन कांग्रेस का सपा के प्रति नर्म रुख नए सियासी समीकरणों को जन्म दे सकता है। राष्ट्रपति चुनाव बाद भाजपा विरोधी दल एक साथ नए गठबंधन में आ सकते हैं।

वसुंधरा राजे को झटका, राजस्थान विधानसभा चुनाव में मोदी ही होंगे चेहरा; अमित शाह ने दे दी नसीहत

जयपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जयपुर के अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान चंद पल की मुलाकात में राजस्थान भाजपा नेताओं को गुटबाजी से दूर रहकर एकजुट रहने की नसीहत दी है। सीएम फेस के लिए जारी खींचतान के बीच अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया कि प्रदेश के चेहरों के आधार पर चुनाव नहीं लड़ा जाएगा।विधानसभा चुनाव 2023 में पीएम मोदी ही चेहरा होंगे। जयपुर में उत्तर क्षेत्रीय परिषद की 30 वीं बैठक में शामिल होने के बाद अमित शाह पार्टी कार्यालय गए और भाजपा नेताओं संग बैठक की। मीटिंग में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सिंधिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह और चंद्रशेखर मौजूद रहे। प्रदेश भाजपा में चल रही अंतर्कलह को थामने के लिए अमित शाह ने एकजुटता का संदेश दिया। सूत्रों के अनुसार अमित शाह ने सभी नेताओं को अनुशासन मे रहकर काम करने के लिए कहा। पार्टी विरोधी गतिविधि किसी भी कीमत पर बर्दास्त नही जाएगी।

अमित शाह ने दिया एकजुटता का संदेश–अमित शाह ने किसी नेता का नाम लिए बगैर गुटबाजी पर लगाम लगाने और पार्टी

के कार्यक्रमों-आंदोलनों में कांग्रेस के खिलाफ एकजुट होकर काम करने के निर्देश दिए। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार की जन नीतियों को राजस्थान की जनता के बीच ले जाना होगा। उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के अंत में होने वाले हैं, लेकिन चुनाव से पहले सीएम फेस को लेकर प्रदेश भाजपा नेताओं के बीच खींचतान चल रही है। पार्टी विभिन्न धड़ों में बंटी हुई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की चेतावनी के बावजूद भी गुटबाजी पर लगाम नहीं लग पा रही है। हालांकि, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया किसी तरह की गुटबाजी से इंकार करते हैं।

राजस्थान बीजेपी में आंतरिक कलह

राजस्थान बीजेपी में आंतरिक कलह ने जोर पकड़ रखा है। पार्टी का एक धड़ा वसुंधरा राजे के सीएम बनाने की मांग को लेकर केंद्रीय नेतृत्व पर लगातार दबाव बना रहा है। राष्ट्रीय नेतृत्व सीएम फेस को लेकर अपना नजरिया साफ कर चुका है कि चुनाव पीएम मोदी के चेहरे और पार्टी के चुनाव चिन्ह कमल के निशान पर ही लड़ा जाएगा।

हाल ही में कोटा में आयोजित हुई प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में पार्टी की गुटबाजी खुलकर सामने आ गई थी। वसुंधरा समर्थक पूर्व विधायक को बैठक में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई। जबकि वसुंधरा राजे के पर्सनल स्टाफ के साथ भी धक्का मुक्की हुई।

कांवड़ यात्रा को लेकर डीएम सुहास का आदेश

कांवड़ रूट पर बंद कराई जाएं शराब और मीट की सभी दुकानें

नोएडा। जल्द कांवड़ यात्रा शुरू हो रही है। इसके लिए नोएडा पुलिस की ट्रैफिक पुलिस ने पूरा प्लान बना लिया है। इसी बीच जिला मजिस्ट्रेट सुहास एलवाई ने अधिकारियों को 14-26 जुलाई तक कांवड़ यात्रा के मार्ग में आने वाली मांस और शराब की सभी दुकानों को बंद करने के लिए कहा है। कांवड़ यात्रा के मार्गों को अंतिम रूप दिया जा रहा है जिसके बाद पुलिस इसका निरीक्षण शुरू करेगी।

अधिकारियों ने ईद और कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा को लेकर बैठक की। इसके बाद त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की शरारत के प्रयास पर नजर रखने के लिए जिले के विभिन्न हिस्सों में जांच करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता करने वाले जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस से यह सुनिश्चित करने को कहा कि चेकिंग अभियान के दौरान किसी भी नागरिक को परेशान नहीं किया जाए।

बैठक के बाद डीएम ने बाद बताया, पुलिस अधिकारियों और अन्य विभाग प्रमुखों के साथ हुई बैठक के दौरान, उन्हें जिले में परेशानी मुक्त कांवड़ यात्रा सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार करने को कहा गया है। मार्गों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद, अधिकारी क्षेत्रों का दौरा करेंगे और यात्रा के दौरान जिन मांस और शराब की दुकानों को बंद रखना है उनकी पहचान करेंगे। डीएम ने लोक निर्माण विभाग और नगरीय अधिकारियों से सड़कों की मरम्मत करने, प्लास्टिक डिस्पोजल के उपयोग पर अंकुश लगाने और वाहनों के प्रबंधन के लिए ट्रैफिक विंग बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को बेहतर समन्वय के लिए यातायात विभाग और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के साथ काम करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कांवड़ यात्रा से पहले गड्ढों को ठीक कर दिया जाए।

आत्मनिर्भर भारत को सफल बनाने के लिए RBI ने दिया मंत्र

रबर, प्लास्टिक और इलेक्ट्रानिक्स के निर्यात को प्रोत्साहन देने का सुझाव

नई दिल्ली। आत्मनिर्भर भारत के नारे को बुलंद करने में जुटी केंद्र सरकार को आरबीआइ की तरफ से कुछ सुझाव मिले हैं। आरबीआइ ने कहा है कि जिन उद्योगों में उत्पादन की स्थिति मजबूत है, उस क्षेत्र में निर्यात को बढ़ावा देने की कोशिश करनी चाहिए। जिन उत्पादों के निर्यात में हमारी स्थिति अच्छी है लेकिन उसके लिए हम कच्चा माल बाहर से आयात करते हैं तो उनके आयात को आसान बनाने की कोशिश होनी चाहिए। तीसरा सुझाव उन उद्योगों के लिए है जिनकी मैन्यूफैक्चरिंग तो हम करते हैं लेकिन उनका आयात काफी संवेदनशील होता है। भारत को इन उद्योगों

के लिए जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति कई देशों से सुनिश्चित करने की कोशिश करनी चाहिए ताकि किसी एक भौगोलिक क्षेत्र में कोई समस्या हो तो दूसरे क्षेत्र से उसकी आपूर्ति हो सके। आरबीआइ की तरफ से एक अध्ययन पत्र जारी किया गया है। यह मूल तौर पर केंद्रीय बैंक की भावना तो नहीं कही जाती, लेकिन इस तरह के प्रपत्रों में दिए गए सुझावों को सरकार कई बार काफी गंभीरता से लेती है।

इकोनमी और औद्योगिक ढांचे में बेहतर सामंजस्य की जरुरत

कोविड महामारी की शुरुआत के कुछ महीने बाद ही पीएम नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक सप्लाई चेन की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए आत्मनिर्भर भारत का नारा दिया था। इसके तहत उन्होंने मेक इन इंडिया फार व?र्ल्ड पर भी जोर दिया था। अध्ययन पत्र में कहा गया है कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश की पूरी इकोनमी और औद्योगिक ढांचे में बेहतर सामंजस्य बनाने की जरूरत है।

तेलंगाना में भारी बारिश का रेड अलर्ट, महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में 128 गांवों से संपर्क टूटा

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का सिलसिला जारी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अगले चार दिनों तक दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हल्की से भारी बारिश का अनुमान लगाया है। वहीं, दक्षिण भारत के भी कई इलाकों में इन दिनों जमकर बारिश हो रही है। तेलंगाना में रविवार तक के लिए बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी है। कर्नाटक और केरल में भी भारी बारिश होने का अनुमान है।

तेलंगाना में बारिश को लेकर रेड अलर्ट के मद्देनजर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने मुख्य सचिव सोमेश कुमार को अहम निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी संबंधित विभागों को सतर्क कर दिया जाए और सुरक्षा के त्वरित कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करेंगे और रविवार को भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक करेंगे। उन्होंने लोगों से बारिश के दौरान कोई जोखिम नहीं लेने का आग्रह किया और जब तक बहुत जरूरी न हो तब तक घर से बाहर नहीं निकलने को कहा है।

तेलंगाना के इन इलाकों में आज बारिश का अनुमान–पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते कई स्थानों पर नाले उफान पर रहे, जबकि निचले इलाकों में पानी भर गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के बताया कि शनिवार को निजामाबाद जिले के नवीपेट में 23 सेंटीमीटर बारिश हुई। बारिश के कारण निचले इलाकों में लोगों को जलभराव का सामना करना पड़ा, जबकि निजामाबाद और कामारेड्डी जिलों में जलाशय भर गए। मौसम केंद्र ने चेतावनी देते हुए कहा कि कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल और अन्य जिलों में शनिवार से रविवार सुबह तक कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

महाराष्ट्र के तीन जिलों में भारी बारिश, 128 गांवों से संपर्क टूटा

महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ में हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से आई बाढ़ से कम से कम 130 गांव प्रभावित हुए हैं और 200 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना पड़ा। हालांकि, राहत की बात है कि अबतक कहीं से जानहानि की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पूर्वी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के 128 गांवों से भारी बारिश की वजह से संपर्क टूट गया है।

अधिकारियों ने बताया कि हिंगोली जिले के वसमत तालुका में शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुए 24 घंटों के दौरान 150 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। उन्होंने दिन में बताया कि हिंगोली जिले के दो गांवों और पड़ोसी जिले नांदेड़ के हडगांव गांव, जो आसना नदी के किनारे बसे हैं, के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हिंगोली के जिलाधिकारी को फोन करके लोगों को निकालने और अन्य प्रकार की सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिए।

राजस्थान में बारिश का दौर जारी

राजस्थान में बारिश का दौर जारी है जहां पिछले 24 घंटे में अनेक जगह भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र के अनुसार, इस दौरान भीलवाड़ा में सबसे अधिक 8 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई जबकि फागी (जयपुर) में 5 सेंटीमीटर बारिश हुई। कई अन्य स्थानों पर भी अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान बूंदी, झुंझुनू, सीकर, जयपुर, अजमेर, टोंक, भीलवाड़ा, दौसा, करौली, सवाई माधोपुर, पाली और गंगानगर सहित अनेक जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है।

शिमला में तीन मंजिला इमारत गिरी

दक्षिण पश्चिम मानसून ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश में कहर बरपाया है। भारी बारिश के कारण तीन मंजिला इमारत ढह गई और जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

अभिव्यक्ति की कुशल शक्ति ही तो कला है। - मैथिलीशरण गुप्त

संपादकीय

भारत गोद ले ले श्रीलंका को

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

श्रीलंका में वह हो रहा है, जो हमारे दक्षिण एशिया के किसी भी राष्ट्र में आज तक कभी नहीं हुआ। जनता के डर के मारे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भागकर कहीं छिप जाना पड़े, ऐसा इस भारतीय उप-महाद्वीप के किसी देश में कभी हुआ है क्या? हमारे कई पड़ौसी देशों में फौजी तख्ता-पलट, अंदरुनी बगावत और संवैधानिक संकट के कारण सत्ता परिवर्तन हुए हैं लेकिन श्रीलंका में हजारों लोग राष्ट्रपति भवन में घुस गए और प्रधानमंत्री के निजी निवास को उन्होंने आग के हवाले कर दिया। राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्ष और प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघ को अपने इस्तीफों की घोषणा करनी पड़ी। श्रीलंका की जनता तो जनता, फौज और पुलिस ने भी इन नेताओं का साथ छोड़ दिया। दोनों ने न तो प्रधानमंत्री के जलते हुए घर को बचाने के लिए गोलियां चलाईं और न ही राष्ट्रपति के जूते और चड्डियां हवा में उछालनेवालों पर लाठियां बरसाईं। ये हजारों लोग राजधानी कोलंबो और उसके बाहर से भी आकर जुटे थे। जब श्रीलंका में पेट्रोल का अभाव है और निजी वाहन नहीं चल पा रहे हैं तो ये लोग आए कैसे? ये लोग दर्जनों मील पैदल चलकर राष्ट्रपति भवन पहुंचे हैं। उनके गुस्से का अंदाज सत्ताधारियों को पहले ही हो चुका था। पिछले तीन महिने से श्रीलंका अपूर्व संकट में फंसा हुआ है। मंहगाई और बेरोजगारी आसमान छू रही थीं। सिर्फ सवा दो करोड़ लोगों का यह देश अरबों-खरबों डालर के कर्ज में डूब रहा है। 75 प्रतिशत लोगों को रोजमर्रा का खाना भी पूरा नसीब नहीं हो पा रहा है। जो भाग सकते थे, वे नावों में बैठकर भाग निकले। जो नेता याने महिंद राजपक्ष श्रीलंका का महानायक बन चुका था, इसलिए कि उसे तमिल आतंकवाद को नष्ट करने का श्रेय था, उसे प्रधानमंत्री के पद से 9 मई को इस्तीफा देना पड़ा और अब उसके भाई गोटाबाया ने अपना इस्तीफा 13 जुलाई को देने की घोषणा की है। इस सरकार में राजपक्ष परिवार के पांच सदस्य उच्च पदों पर रहकर पारिवारिक तानाशाही चला रहे थे। ऐसी पारिवारिक तानाशाही किसी भी लोकतांत्रिक देश में सुनने में नहीं आई। उन्होंने बिना व्यापक विचार-विमर्श किए ही कई अत्यंत गंभीर आर्थिक और राजनीतिक फैसले कर डाले। विरोधियों की चेतावनियों पर भी कोई कान नहीं दिए। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं की चेतावनियों को भी उन्होंने दरी के नीचे सरका दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री बदला और कई मंत्री भी बदल दिए। लेकिन यह बदलाव भी किसी काम नहीं आया। अब सर्वदलीय सरकार यदि बन भी गई तो वह क्या कर लेगी? इस समय श्रीलंका को जबर्दस्त आर्थिक टेके की जरुरत है। भारत चाहे तो संकट की इस घड़ी में कुछ समय के लिए वह अपने इस पड़ौसी देश को गोद ले सकता है। यह देश भारत के किसी छोटे से प्रांत के बराबर ही है। श्रीलंका की बौद्ध और तमिल जनता भारत के इस अहसान को सदियों तक याद रखेगी।

आज के कार्टुन

अपनापन

श्रीराम शर्मा आचार्य

जो भी वस्तुएं आपके आसपास मौजूद हैं, उनमें से कुछ आपको अच्छी लगती हैं, कुछ बुरी, कुछ की ओर ध्यान भी नहीं जाता। जो अच्छी लगती हैं, आप उनसे प्यार करते हैं, जो बुरी लगती हैं, उनसे घृणा। जो उपेक्षित हैं, उनकी ओर आंख उठाकर भी नहीं देखते। आइए, विचार करें कि वस्तुओं के अच्छा लगने का क्या कारण है? कहना ठीक नहीं कि गुणवान वस्तुएं स्वभावत- प्रिय लगती हैं। सच तो यह है कि जिस वस्तु में जितनी मात्रा में अपनापन-आत्मभाव, स्वार्थभाव है, वह उसी परिमाण में प्रिय लगती है, गुणरहित हो तो भी। आपका छोटा बालक है, रोना ही जानता है, दिन को रोता है, रात को रोकर नींद उचटा लेता है, गोदी में लें तो मल से कपड़ों को खराब कर देता है। उसमें एक भी गुण नहीं, दुर्गुण बहुत हैं, तो भी आप उसके लिए कपड़ों की, दूध की, दवा-दारू की खर्चीली व्यवस्था करते हैं, कष्ट उठाते हैं, फिर भी उसे प्यार करते हैं। कारण है कि उस बालक में आपका आत्मभाव है, अपनापन है। दूसरों के बच्चे आपके ऊपर टट्टी कर दें तो बुरा लगेगा। पडोसी का गोरा, सलौना बच्चा, अपने काले-कलूटे बच्चे से अच्छा थोड़े ही लगेगा? यहां सौंदर्य या गुण की प्रमुखता नहीं है, अपनेपन का महत्व है। एक मकान के आप मालिक हैं, वह अच्छा लगता है, उसकी अच्छाई की प्रशंसा करते नहीं थकते, टूट-फूट की मरम्मत, सजावट का ध्यान रखते हैं, संयोगवश यह मकान बिक कर दूसरे के हाथ चला जाता है, अब आप निश्चित हो गए टूट-फूट से कोई मतलब नहीं, आज फूट जाए चाहे हजार वर्ष खड़ा रहे? कल तक जो मकान इतना प्रिय था, आज ही उससे सारा संबंध छूट गया। इतनी अधिक विरक्ति का कारण क्या है? कारण है कि कल तक उसके साथ जो अपनापन चिपटा हुआ था, आज नहीं रहा। कल जिस रुपयों से भरी थैली को उत्साह से छाती से चिपटाए फिरते थे वह आज दूसरे व्यापारी के पास चली गई, यदि वे रु पए अब चोरी चले जाएं तो आपको कष्ट न होगा। उन रु पयों के बदले जो माल खरीदा है, वह अब प्यारा लगने लगा, कल वह माल भी पड़ोस में पड़ा था पर तब उसकी ओर आंख उठाकर भी न देखते थे, आज उसको सुरक्षित रखने के लिए चोटी का पसीना एड़ी तक बहा रहे हैं। माल वही कल था, वही आज है। अंतर केवल इतना कि आज अपना हो गया, अपनापन ही तो अच्छा लगने का कारण है।

जॉनसन की विदाई का भारत पर असर

पुष्परंजन

बोरिस गये या बराक, इनके जाने से भारत को कोई फ़र्क़ पड़ता है क्या? यहां के हिसाब से देखिये, तो कुछ घंटों की हलचल रही है। बोरिस की जगह किसे ब्रिटेन में प्रधानमंत्री का कार्यभार संभालना है? इतनी भर जिज्ञासा। मगर, रायसीना हिल सड़क और सोशल मीडिया पर चलने वाली सोच से अलग है। बोरिस जॉनसन के जाने का मतलब है, पाइपलाइन में पड़ी बहुत सारी योजनाओं, संकल्पों का अटक के रह जाना। 22 अप्रैल, 2022 को बोरिस जॉनसन ने दिल्ली में कहा था कि हमारी सरकार ने विजय माल्या और नीरव मोदी के प्रत्यर्पण का आदेश दे दिया है, बस उसकी प्रक्रिया शुरू होनी बाक़ी है। अब सवाल है, कई सारी उभयपक्षीय परियोजनाओं और प्रत्यर्पण का क्या होगा? बोरिस जॉनसन के जाने से 7 लोक कल्याण मार्ग और ब्रिटेन में इंडियन डायसपोरा में उदासी है? याद कीजिए बोरिस जब भारत आये थे, क्या गज़ब का उत्साह था। अहमदाबाद में अडानी ने पलक पांवड़े बिछाये, दिल्ली में पीएम मोदी ने। इस उत्साह की वजह इंडियन डायसपोरा के वो लोग थे, जो कंजरवेटिव पार्टी की सरकार में संभावनाओं को तलाश रहे थे। पिछले दशक में लेबर पार्टी को पसंद करने वाले ब्रिटिश भारतवंशी जब धर्म की राजनीति से प्रभावित हुए, कंजरवेटिव राजनीति के अच्छे दिन आरंभ हो गये। 25 लाख ब्रिटिश इंडियन की आबादी मतलब कुल जनसंख्या का 3.5 प्रतिशत। 2010 में सर्वे ऑफ ब्रिटिश इंडियन एटीच्यूड (एसबीआईए) का जब सर्वेक्षण हुआ था, 68 फीसदी ब्रिटिश इंडियन लेबर पार्टी के समर्थक दिखे। 2019 आते-आते सूरत बदल गई। कहने की ज़रूरत नहीं कि इस हृदय परिवर्तन में मोदी फैक्टर काम कर रहा था। इंडियन डायसपोरा ने माहौल ऐसा बनाया कि 15 सांसद ब्रिटिश इंडियन समुदाय से चुने गये। इतने पाकिस्तानी मूल के सभासद हाउस ऑफ कामन्स के लिए निर्वाचित हुए थे। मगर सत्ता की सर्वाधिक महत्वपूर्ण चाबी तीन भारतवंशियों को दी गई। 24 जुलाई, 2019 को प्रीती पटेल गृह मंत्री बनाई गई थीं। 13 फरवरी, 2020 को आलोक शर्मा ने व्यापार व ऊर्जा राज्य मंत्री, तथा वित्त मंत्री पद की शपथ ऋषि सुनक ने ली थी। यदि बोरिस जॉनसन घरेलू विवादों में नहीं उलझे होते, तो माल्या और नीरव मोदी को भारत ले आने की कार्रवाई आगे बढ़ चुकी होती। बहरहाल, 8 जनवरी, 2021 को आलोक शर्मा ने मंत्री पद से इस्तीफा देकर जलवायु के लिए ब्रिटेन में होने वाले आयोजन 'सीओपी-26' की ज़िम्मेदारी संभाल ली थी। बच गये थे भारतीय मूल के दो मंत्री। मगर, सच यह है कि बोरिस जॉनसन को समर्थन के सवाल पर ब्रिटेन में इंडियन लॉबी बंटी हुई दिखी है, यह प्रीती पटेल के अंतिम समय तक बोरिस का साथ देते रहने से स्पष्ट हो रहा था। ऋषि सुनक इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति के दामाद हैं, जिन्होंने पीएम मोदी की आलोचना की थी। तीन माह पहले ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति को कर वंचना के आरोप में घेरा गया था। ऋषि सुनक की प्रीती पटेल से दूरी की एक वजह यह भी रही है। ऋषि सुनक चाहकर भी बोरिस जॉनसन की जगह नहीं ले सकते। क्योंकि जब बात उसूलों और मर्यादा की होगी, तो उस पाप में ऋषि सुनक समान रूप से भागीदार हैं, जिसे लेकर बोरिस जॉनसन को कटघरे में खड़ा किया गया था। कोविड लॉकडाउन के दौरान प्रधानमंत्री आवास 'टेन डाउनिंग स्ट्रीट' में जो पार्टी हुई थी, उसके लिए जो जुर्माना लंदन पुलिस ने जिन लोगों पर ठोका था, उनमें स्वयं पीएम बोरिस जॉनसन, उनकी पत्नी कैरी जॉनसन और वित्त मंत्री ऋषि सुनक शामिल थे। इसलिए ऋषि सुनक जब मर्यादा की बात करेंगे, तो वह अपराध उनका पीछा नहीं छोड़ने वाला। यों भी ऋषि सुनक कार्यकारी प्रधानमंत्री की रेस में सबसे आगे नहीं दिख रहे। यदि कोई चमत्कार हो जाए, तो अलग बात है। 'पार्टीगेट' से निकले तो 'पिंचरगेट' ने बोरिस जॉनसन की लुटिया डुबो दी। 'पिंचरगेट' की वजह से क्या कंजरवेटिव पार्टी सत्ता से हाथ धो बैठेगी? ऐसा संभव नहीं लगता। 650 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमन्स में सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी के 358 सांसद हैं। प्रमुख विपक्षी लेबर पार्टी के 200 सांसद आठ अन्य प्रतिपक्षी पार्टियों के 84 सांसदों के साथ मिलकर भी कुछ नहीं कर सकते। याद कीजिए जब 7 जून को संसद में विश्वास मत के लिए 359 वोट पड़े, जिसमें बोरिस जॉनसन के पक्ष में 211 और विरोध में 148 वोट पड़े थे, तब 41 फीसद सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी के सांसदों ने अपने ही प्रधानमंत्री के विरुद्ध वोट किया था। यही ब्रिटिश लोकतंत्र की खूबसूरती है, जो भारत में कल्पना से बाहर है। यूक्रेन के युद्ध में ब्रिटेन को सीधा शामिल कर देना, ऊर्जा की बढ़ती क़ीमतों और मनमाने टैक्स से आम जनता बोरिस को नकारात्मक निगाहों से देखने लगी थी। इसलिए बोरिस के प्रति ब्रिटेन में सड़क पर सहानुभूति का भाव पैदा नहीं हुआ है। बोरिस जॉनसन की बुनियादी ग़लती यह भी रही कि वो एक बच्चाबाज़ सांसद को आंख मूंदकर आगे बढ़ाते गये। संसद में उपमुख्य सचेतक क्रिस पिंचर द्वारा 30

जून को भेजे इस्तीफे में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को लिखा था, '29 की रात कार्टलोन क्लब की पार्टी में मैंने इतनी पी रखी थी कि मुझे होश नहीं था, जो सबके लिए शर्मिंदगी का सबब बना।' पिंचर ने पार्टी में दो मर्दों से यौन दुर्व्यवहार किया। यह ख़बर आग की तरह फैली, जिसकी लपटें 10 डाउनिंग स्ट्रीट को झुलसाने लगीं।पिंचर पहले भी थेरेसा मे की सरकार में उपमुख्य सचेतक व कुटुम्ब नियंत्रक महकमे को देख रहे थे। 2017 की बात है, कंजरवेटिव पार्टी के कैंडिडेट व 1996 के समर ओलंपिक में ब्रिटिश मेंस एट के लिए विजयी अलेक्स स्टोरी ने पुलिस में शिकायत की, कि पिंचर पार्टी टिकट का लारा-लप्पा देकर उनको अप्राकृतिक यौन संबंध के लिए विवश कर रहे थे। अलेक्स स्टोरी ने 2001 की घटना का भी हवाला दिया, जब पिंचर ने उन्हें घर बुलाया था, गले में मसाज़ के बहाने छेड़छाड़ की थी। पुलिस केस के बाद 2017 में जॉन पिंचर को पद से इस्तीफा देना पड़ा था। पिंचर उसी उपमुख्य सचेतक वाली कुर्सी पर दोबारा से आने की ज़िद ठाने बैठे थे, जिसे बोरिस जॉनसन के रहते हासिल कर ली थी। अब सबकी नज़र कंजरवेटिव पार्टी में '1922-कमेटी' रूल्स पर टिकी हुई है। उन रूल्स के अनुसार, 'संसदीय नेता उन नये नामों पर विचार करते हैं, जो प्रधानमंत्री पद के लायक़ हों। फिर दो उम्मीदवारों की छंटनी होती है, इंटरनल वोटिंग में जो आगे होता है, उसके नाम को साम्राज्ञी के पास स्वीकृति के लिए भेज दिया जाता है।' बोरिस के विकल्प के रूप में स्टीव बेकर, टॉम टुगेंडट, सुएला ब्रावेरमन, जेरेमी हंट जैसे नाम रेस में हैं।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

बड़ी चुनौती है नासूर बन चुके प्लास्टिक प्रयोग को नियंत्रित करना

(लेखिका-- निर्मल रानी)

पॉलीथिन और प्लास्टिक का दिनोंदिन बढ़ता जा रहा उपयोग इस समय पूरे देश और देशवासियों के लिये विकराल समस्या का रूप धारण कर चुका है। पहले भी इसे नियंत्रित करने के कई असफल प्रयास हो चुके हैं परन्तु इसका उपयोग कम होना तो दूर और भी बढ़ता ही जा रहा है। तेज़ रफ़्तार ज़िन्दिगी और मानवीय आवश्यकताओं ने तो इनका चलन बढ़ाया ही है साथसाथ प्लास्टिक व पॉलीथिन उद्योग तथा इसके उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के बड़े व प्रभावशाली उत्पादनकर्ता उद्योगपतियों के ऊँचे रसूख़ के कारण भी इस पर नियंत्रण पाना आसान नहीं है। बहरहाल एक बार फिर भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पॉलीथिन और सिंगल यूज़ प्लास्टिक को प्रतिबंधित करने का आदेश जारी किया है। मज़े की बात तो यह है कि प्रतिबंधित किये जाने वाली प्लास्टिक व पॉलीथिन सामग्री की जो सूची जारी की गई है उससे कई गुना पॉलीथिन व प्लास्टिक का इस्तेमाल प्रतिबंधित सूची से बाहर रखी गई अनेक वस्तुओं में किया जाता है। 1 जुलाई से जिन प्लास्टिक उत्पाद को प्रतिबंधित किया गया है उनमें पॉलिथीन बैग,प्लास्टिक की प्लेट, कप, गिलास, कांटे, चम्मच, चाकू व ट्रे सहित अन्य कटलरी संबंधित सामग्री के साथ साथ सिगरेट पैकेट के ऊपर की पन्नी, गुब्बारे की प्लास्टिक की छड़ें, प्लास्टिक ईयर बड,मिठाई बॉक्स व निमंत्रण कार्ड पर लगाई जाने वाली प्लास्टिक, थर्मोकॉल का सजावटी सामान, पीवीसी के बैनर व 75 माइक्रॉन तक के पॉलिथीन आदि मुख्य रूप से शामिल हैं। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक़ एक जुलाई से उपरोक्त प्लास्टिक व पॉलीथिन सामग्रियों व 75 माइक्रॉन से कम मोटाई वाले पॉलिथीन के निर्माण, विक्रय, वितरण भंडारण, परिवहन व उपयोग प्रतिबंधित हो गया है । जबकि अधिसूचना के अनुसार 31 दिसंबर के बाद 120 माइक्रोन तक के पॉलिथीन पर भी रोक लगा दी जायेगी ।

सरकारी अधिसूचना के अनुसार इन सामग्रियों के उपयोग के निर्धारित मानदंडों का यदि कोई भी व्यक्ति उल्लंघन करेगा वह पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत निर्धारित दंड का भागीदार होगा। इस अधिनियम का अनुपालन करने में विफल रहने वाले व्यक्ति को पांच साल तक के कारावास या एक लाख रुपये तक के जुर्माने या दोनों की सज़ा सुनाई जा सकती है। और यदि कोई इसके अनुपालन में विफल होगा या इन नियमों का बार बार उल्लंघन करेगा तो हर दिन के हिसाब से उस अवधि के दौरान जब तक कि उल्लंघन जारी रहता है, उल्लंघनकर्ता व्यक्ति पर प्रतिदिन के हिसाब से पांच हज़ार रुपए अतिरिक्त जुर्माना लगाया जा सकता है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार सरकार के इस निर्णय से पर्यावरण को लाभ होगा। क्योंकि सूखे कचरे में पॉलिथीन व सिंगल यूज प्लास्टिक पर्याप्त मात्रा में होता है। जोकि पर्यावरण के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। विशेषज्ञों की मानें तो सरकार के इस फैसले से सूखे कचरे में कमी तो ज़रूर आएगी परन्तु इसके सकारात्मक परिणाम के लिए कम से कम दो साल तक प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। प्लास्टिक व पॉलीथिन जैसे उत्पाद केवल पर्यावरण को ही नुक़सान नहीं पहुंचाते बल्कि नाली व नालों को बाधित कर गंदे जल प्रवाह को भी रोकते हैं। यहाँ तक कि वर्षा ऋतु में तो यह ख़ास तौर पर शहरी क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति भी पैदा कर देते हैं। आज हमारे देश में प्लास्टिक व पॉलीथिन का इस्तेमाल सबसे अधिक दूध की थैलियों के रूप में तथा पानी की बोतलों की शक्ल में हो रहा है। इनके अतिरिक्त कोल्ड ड्रिंक्स व शराब भी अधिकांशतय: प्लास्टिक बोतलों में ही आने लगी हैं। आज कल और भी नित्य नये नाना प्रकार के जूस व ड्रिंक्स के अनेकानेक उत्पाद प्लास्टिक की बोतलों में ही आने लगे हैं। दवाइयों के पैक,मेडिकल संबंधी तमाम उत्पाद,गुटका,तंबाकू आदि बहुत सारी चीज़ें प्लास्टिक व पॉलीथिन पैक में होती हैं। क्या सरकार इन्हें प्रतिबंधित किये बिना प्लास्टिक कचरा मुक्ति व पर्यावरण सुधार की कल्पना कर सकती है ? अब रहा सवाल इसके बेचने वालों या इस्तेमाल करने वालों पर सज़ा या जुर्माने का। तो यह भी सरकार का नैतिकता पूर्ण क़दम नहीं कहा जा सकता। क्योंकि सरकार को इन सब सामग्रियों को प्रतिबंधित करने से पहले इनके विकल्प तलाश करने चाहिये। आम लोगों को कम से कम एक वर्ष तक इनके इस्तेमाल से होने वाले नुक़सान के प्रति जागरूक करना चाहिये। और इनकी वैकल्पिक व्यवस्था से परिचित कराना चाहिये। चाहे वह पुराने ज़माने की तरह अपने घर से ही कपड़े के थैले लेकर निकलने की आदत डालना ही क्यों न हो। और इन सब के साथ इसके उत्पादन की जड़ों पर भी प्रहार करना चाहिये।

सभी जानते हैं कि प्लास्टिक व पॉलीथिन, पेट्रोलियम उत्पाद से तैय्यार होने वाली सामग्रियां हैं। और देश यह भी जानता है कि देश के पेट्रोलियम स्रोतों पर किसका क़ब्ज़ा है। कोल्ड ड्रिंक उत्पादकों के हाथ कितने लंबे हैं और दूध उत्पादक डेयरियां किनकी हैं। गुटखा नेटवर्क कितना सशक्त है और शराब उद्योग पर कितने बड़े लोगों का क़ब्ज़ा है। लिहाज़ा ऐसे उद्योगपतियों को झुका पाना या इन्हें प्लास्टिक व पॉलीथिन मुक्त बना पाना संभवत: किसी भी सरकार के वश में नहीं। सरकार को यदि पर्यावरण की वास्तव में इतनी फ़िक्र है तो दुकानदारों या थैली धारकों पर सज़ा या जुर्माना नहीं बल्कि इनके उत्पादन पर प्रतिबंध लगाये और नियम की अनुपालना न करने पर इसके उत्पादनकर्ताओं को सज़ा दे । जब तक सरकार ऐसा नहीं करती तब तक नासूर बन चुके प्लास्टिक प्रयोग को नियंत्रित करना एक बड़ी चुनौती साबित होगा।

सू-दोकू नवताल 2162

	9	3						
	7			1	8			9
		8	7	3		1		
	8	9		5	1		7	6
2								5
5	1		8	7		4	9	
		4		6	5	7		
7			3	2			5	
						6	4	

सू-दोकू -2161 का हल

3	1	6	5	4	2	9	7	8
9	4	5	8	7	1	6	2	3
7	2	8	3	9	6	1	4	5
8	3	1	9	5	4	2	6	7
2	5	9	6	3	7	8	1	4
4	6	7	2	1	8	3	5	9
5	7	2	1	8	9	4	3	6
1	8	3	4	6	5	7	9	2
6	9	4	7	2	3	5	8	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2162

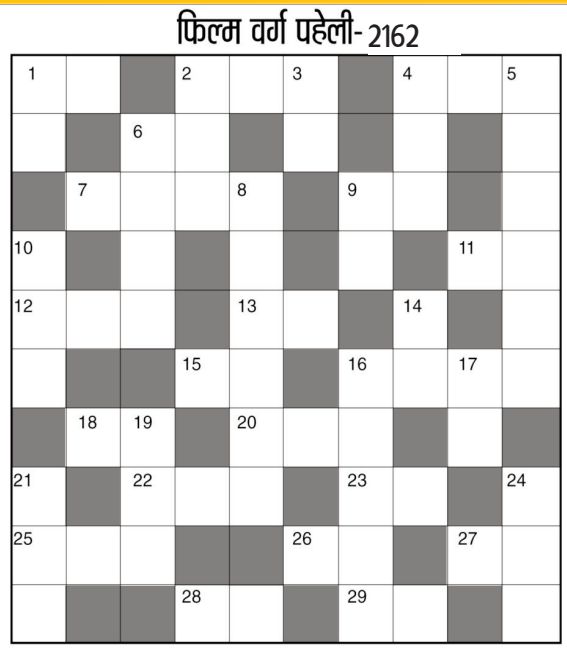

बायें से दायें:-

1. अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी, करिश्मा कपूर अभिनीत फिल्म-2
2. 'दिल का पंक्षी बोले कुकू कुकू' गीत वाली फिल्म-3
4. विनोद खन्ना, अक्षय कुमार दीया मिर्जा अभिनीत फिल्म-3
6. 'तूने अगर प्यार से देखा नहीं' गीत वाली संजय कपूर अभिनीत फिल्म-2
7. 'कसम से तेरी आंखें' गीतवाली फिल्म-4
9. बॉबी देओल, लारा दत्ता, गुल पनाग अभिनीत फिल्म-2
11. 'याद आती है मगर आती नहीं' गीत वाली फिल्म-2
12. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
13. द्विविज काक, रूपा दत्ता की 'तुम से दिल क्या लगा लिया' गीत वाली फिल्म-2
15. कुमार गौरव, माधुरी अभिनीत फिल्म-2
16. 'सर से सरक गई तेरी चुनरी' गीत वाली फिल्म-4
18. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया अभिनीत फिल्म-2
20. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी अभिनीत फिल्म-3
22. अक्षय, खन्ना अभिनीत फिल्म-3
23. ऋषि कपूर अभिनीत 'मैं देर करता नहीं' गीत वाली फिल्म-2
25. गणेश यादव, राजन कपूर, ईशा कोप्पिकर अभिनीत फिल्म-3
26. अनिल कपूर, पूनम ढिल्लो अभिनीत फिल्म-2
27. 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली फिल्म-2
28. आफताब शिवदासानी,सेलिना जेटली अमृता अरोड़ा अभिनीत फिल्म-2
29. 'मैं ऐसा क्यों हूं' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. विनोद खन्ना, रणदीप हूडा, तनुश्री दत्ता सीमा बिस्वास अभिनीत एक फिल्म-2
2. 'बस एक जरा कहा तुम मानो' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली अजय देवगन की फिल्म-2
4. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' संजय दत्त अभिनीत फिल्म-3
5. अमिताभ, अक्षय कुमार, रिमि सेन की फिल्म-3,3
6. 'मेरे संग संग आया तेरी यादों का मेला' गीत वाली धर्मेन्द्र अभिनीत फिल्म-4
8. 'कहीं दीप जले कहीं दिल' गीतवाली फिल्म-2,2,2
9. अक्षय कुमार, ट्विंकल खन्ना राखी मल्होत्रा अभिनीत फिल्म-2
10. सनी देओल, अमृता सिंह अभिनीत फिल्म-3
14. 'मुझे नींद न आए मुझे चैन न आए' गीत वाली फिल्म-2
16. 'हमें तो लूट लिया मिल के हुस्न वालों ने' गीत वाली फिल्म-2,3
17. 'धक धक करने लगा' गीत वाली फिल्म-2
19. फिल्म 'अवतार' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-3
21. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
24. शाहिद कपूर, अमृता राव अभिनीत फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली- 2161

बॉ	बी		बा		फा	गु	न		सा
डं		ते	जा	ब		ड्डी		क्रो	ध
र	वि		र	च	ना		कै		ना
	दा	ग		प		जा	न	म	
भा	ई		ध	न	वा	न		म	र्द
भी		क	र्म		सु		दा	ता	
	गै		वी	रू		सौ	दा		दो
आ	र	पा	र			दा		म	स्त
वा		कि		चि	र	ग		हि	
र	म	जा	ने			र	ह	मा	न

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अडानी ग्रुप की 5जी स्पेक्ट्रम हासिल करने की तैयारी

मुंबई । अरबपति कारोबारी गौतम अडानी के समूह ने दूरसंचार स्पेक्ट्रम हासिल करने की तैयारी कर ली है। समूह ने कहा कि वह दूरसंचार स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल हवाई अड्डों से लेकर अपने व्यवसायों का समर्थन करने के लिए एक निजी नेटवर्क के रूप में करेगा। समूह ने कहा` कि भारत इस नीलामी के जरिए अगली पीढ़ी की 5जी सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रहा है और हम खुली बोली प्रक्रिया में भाग लेने वाले कई आवेदनों में से एक हैं। इसके लिए अडानी समूह का सीधा मुकाबला मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो और दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील भारती मित्तल की एयरटेल के साथ होगा। बयान में कहा गया है` कि हम हवाई अड्डों, बंदरगाहों और लॉजिस्टिक, बिजली उत्पादन, पारेषण, वितरण और विभिन्न विनिर्माण कार्यों में बढ़ी हुई साइबर सुरक्षा के साथ ही निजी नेटवर्क समाधान मुहैया कराने के लिए 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी में भाग ले रहे हैं। अडानी समूह ने अपने डेटा सेंटर के लिए स्पेक्ट्रम का उपयोग करने की योजना बनाई है और साथ ही वह एक सुपर ऐप भी बना रहा है, जो उसके बिजली वितरण से लेकर हवाई अड्डों, गैस की खुदरा बिक्री से लेकर बंदरगाहों तक के व्यवसायों का समर्थन करेगा।

सितंबर में लांच हो सकती है आईफोन 14 सीरीज

-लॉन्चिंग से पहले आईफोन के फीचर्स आ रहे हैं सामने

नई दिल्ली । जानी-मानी कंपनी एप्पल आईफोन 14 सीरीज को इस साल सितंबर में लॉन्च हो सकती है। आईफोन 14 प्रो और आईफोन 14 प्रो मैक्स की कीमतें सामने आ गई हैं।लॉन्चिंग से पहले आईफोन के फीचर्स सामने आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक आईफोन 14 प्रो की कीमत पहले के मॉडल की तुलना में अधिक होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक एप्पल सितंबर में आईफोन 14सीरीज की बिक्री शुरू करेगा, जिसकी शुरुआत 90 मिलियन यूनिट्स के बैच के साथ होगी। पिछले हफ्ते, फोन की आपूर्ति में 10 प्रतिशत की कमी की गई है। हालांकि, इकोनॉमिक डेली की एक अन्य रिपोर्ट में ऐपल यूजर्स के हवाले से कहा गया है कि उन्हें कटौती के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है।रिपोर्ट में उपलब्ध आंकड़ों का हवाला देते हुए संकेत दिया गया है कि आईफोन 14 सीरीज की कीमत अपने पहले के फोन्स की तुलना में अधिक होगी। रिपोर्ट के अनुसार आईफोन 14 प्रो की कीमत 1,099 डॉलर और आईफोन 14 प्रो मैक्स की कीमत 1,999 डॉलर से शुरू हो सकती है। गौरतलब है कि महंगाई, कॉम्पोनेंट कॉस्ट में बढ़ोतरी और यूक्रेन-रूसी युद्ध से उत्पन्न परिस्थितियों के चलते कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स समेत काफी चीजें महंगी हो गई हैं। इसके अलावा ऐपल द्वारा आईफोन 'मिनी' को बंद करने की भी उम्मीद है। आईफोन 14 और आईफोन 14 मैक्स के एप्पल ए15 बायोनिक चिप के ज्यादा पावरफुल वर्जन के साथ आने की अफवाह है, जबकि आईफोन 14 प्रो और आईफोन 14 प्रो मैक्स में एप्पल एक नई ए16 बायोनिक चिप दे सकता है।एप्पल इस साल सितंबर मेंआईफोन 14सीरीज लॉन्च कर सकता है। आईफोन 14 सीरीज के अपने पुरान मॉडल के मुकाबले कई सुधारों के साथ आने की उम्मीद है।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की आठ प्रमुख कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.81 लाख करोड़ बढ़ा

- 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1,81,209.89 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में हिंदुस्तान यूनिलीवर रही। शीर्ष 10 कंपनियों में सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बाजार मूल्यांकन में ही गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का बाजार पूंजीकरण 50,058.05 करोड़ रुपए बढ़कर 5,86,422.74 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 35,956.8 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,25,656.96 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 23,940.12 करोड़ रुपए बढ़कर 7,75,832.15 करोड़ रुपए, जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की 19,797.24 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,47,841.46 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 19,232.55 करोड़ रुपए बढ़कर 4,35,922.66 करोड़ रुपए, इन्फोसिस की 15,126.4 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 6,37,033.78 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 12,000.08 करोड़ रुपए बढ़कर 3,81,833.20 करोड़ रुपए और एचडीएफसी का 5,098.65 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,06,213.61 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसके` विपरीत टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 18,770.93 करोड़ रुपए घटकर 11,94,625.39 करोड़ रुपए पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत भी 11,805.14 करोड़ रुपए घटकर 16,17,879.36 करोड़ रुपए रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

उसके बाद क्रमश- टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एलआईसी, एसबीआई, एचडीएफसी और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

क्रूड आयल 107 डॉलर के ऊपर, पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

मुंबई । क्रूड ऑयल की कीमत में फिर से बढ़ोतरी होने लगी है। रविवार सुबह ये 107 डॉलर के ऊपर पहुंच गया है। कुछ दिन पहले ही क्रूड 100 डॉलर तक आ गया था जिससे उम्मीद बढ़ी थी कि ये इसके नीचे जाएगा लेकिन वापस यह महंगा होने लगा है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में पेट्रोल अब भी 96.72 रुपए लीटर मिल रहा है107 डॉलर के ऊपर कंपनियों ने 6 अप्रैल के बाद से इसकी कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है, जबकि क्रूड के भाव एक समय 140 डॉलर प्रति बैरल तक चले गए थे। इन शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम- दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 109.27 रुपए और डीजल 95.84 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है, लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

(तेल-तिलहन बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह खाने के तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट

विदेशों में पिछले सप्ताह के मुकाबले खाद्य तेलों का बाजार काफी टूटा

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में खाने के तेलों की कीमतों में गिरावट के देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, सीपीओ, पामोलीन, बिनौला सहित लगभग सभी खाने के तेल स्स्ते हुए हैं। बाकी तेल-तिलहनों के भाव अपरिवर्तित रहे। बाजार सूत्रों ने बताया कि विदेशों में पिछले सप्ताह के मुकाबले खाद्य तेलों का बाजार काफी टूटा है जो गिरावट का मुख्य कारण है। सूत्रों ने कहा कि सरकार की ओर से खाद्य तेलों के दाम और कम करने की पहल के तहत खाद्य तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई जिसमें खाद्य तेल के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में लगभग 15 रुपए प्रति लीटर तक की और कटौती करने और वैश्विक तेल कीमतों में आई गिरावट का लाभ आम उपभोक्ताओं को सुनिश्चित करने के लिए सरकार की ओर से निर्देश दिया गया। इससे पहले भी हुई एक बैठक के बाद एमआरपी में लगभग 10 रुपए की कमी की गई थी। सूत्रों ने बताया कि पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 190 रुपए की गिरावट के साथ 7,295-7,345 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल समीक्षाधीन सप्ताहांत में 500 रुपए की गिरावट के साथ 14,650 रुपए क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 65-65 रुपए घटकर क्रमशः 2,315-2,395 रुपए और 2,355-2,460 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। सोयाबीन दाने और लूज के थोक भाव क्रमशः 150 रुपए और 250 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 6,350-6,400 रुपए और 6,050-6,100 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतों में भी नुकसान रहा। सोयाबीन दिल्ली का थोक भाव 400 रुपए की हानि के साथ 13,700 रुपए, सोयाबीन इंदौर का भाव 600 रुपये टूटकर 13,200 रुपए और सोयाबीन डीगम का भाव 250 रुपए टूटकर 12,150 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में मूंगफली तिलहन का भाव 55 रुपए टूटकर 6,710-6,835 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल गुजरात 180 रुपए की गिरावट के साथ 15,530 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव 25 रुपए की गिरावट के साथ 2,610-2,800 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। विदेशी बाजारों में तेल कीमतों में जोरदार गिरावट आने के बाद कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव भी 400 रुपए टूटकर 10,900 रुपए क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 400 रुपए टूटकर 12,800 रुपए और पामोलीन कांडला का भाव 550 रुपए टूटकर 11,550 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में गिरावट के आम रुख के अनुरूप बिनौला तेल का भाव भी 300 रुपए के नुकसान के साथ 13,850 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वैसे बिनौला में कारोबार लगभग समाप्त हो चला है।

गोदरेज अप्लायंसेज का चालू वित्त वर्ष में 5,500 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य

नयी दिल्ली

घरेलू उपयोग के उपकरण बनाने वाली गोदरेज अप्लायंसेज ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 5,500 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है। गोदरेज अप्लायंसेज के कारोबार प्रमुख और कार्यकारी उपाध्यक्ष कमल नंदी ने कहा कि इसके अलावा कंपनी अपनी प्रीमियम श्रेणी की क्षमता विस्तार और अधिक उत्पादों को शामिल करने के लिए 200 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। नंदी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि कंपनी को अपनी प्रीमियम उत्पाद श्रेणी में बाजार से 'बहुत अच्छी प्रतिक्रिया' मिली है। कंपनी ने इस श्रेणी में अबतक 250 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उन्होंने कहा, ''पिछले दो वर्षों में सभी श्रेणियों में प्रीमियम उत्पाद लाने के हमारे प्रयासों ने अब बहुत अच्छा परिणाम देने शुरू कर दिया है।'' कंपनी के कारोबार प्रमुख ने कहा, ''मुझे लगता है कि प्रीमियम श्रेणी का पोर्टफोलियो इस साल और बड़ा होने जा रहा है क्योंकि इस श्रेणी में और नए उत्पाद पेश होने जा रहे हैं। हम इस पोर्टफोलियो और क्षमता विस्तार में और 200 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रहे हैं। ''

विदेशी निवेशकों की निकासी घटी, जुलाई में अब तक 4,000 करोड़ के शेयर बेचे

- पिछले लगातार नौ माह से बिकवाल बने हुए हैं एफपीआई

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सिलसिला जुलाई में भी जारी है। हालांकि, अब एफपीआई की बिकवाली की रफ्तार कुछ धीमी पड़ी है। डॉलर में मजबूती और अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बीच एफपीआई ने जुलाई में 4,000 करोड़ रुपए से अधिक के शेयर बेचे हैं। बाजार के जानकारों ने कहा` कि कच्चे तेल के दाम नीचे आने के बीच मुद्रास्फीति घटने की उम्मीद के चलते बाजार धारणा में सुधार हुआ है। रिजर्व बैंक के रुपए की गिरावट को थामने के प्रयास से भी धारणा बेहतर हुई है। बाजार के जानकारों का हालांकि मानना है कि एफपीआई की शुद्ध निकासी कम रहने का मतलब रुख में कोई बड़ा बदलाव नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन कारणों से एफपीआई निकासी कर रहे थे उनमें कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं आया है। पिछले लगातार नौ माह से एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। एक अन्य` विशेषज्ञ मुद्रास्फीति के ऊंचे स्तर से नीचे आने का स्पष्ट संकेत मिलने के बाद एफपीआई का प्रवाह फिर शुरू होगा। उन्होंने कहा कि यदि ऊंची मुद्रास्फीति को लेकर चीजें दुरुस्त होती हैं, तो ऐसा संभव है कि केंद्रीय बैंक ब्याज दरों के मोर्चे पर नरमी बरतें। इससे एक बार फिर जोखिम वाली परिसंपत्तियों में निवेश बढ़ेगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एक से आठ जुलाई के दौरान एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से 4,096 करोड़ रुपए की निकासी की है। हालांकि, पिछले कई सप्ताह में छह जुलाई को पहली बार ऐसा मौका आया जबकि एफपीआई द्वारा 2,100 करोड़ रुपए की लिवाली की गई। जून में एफपीआई ने 50,203 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। यह मार्च, 2020 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। उस समय एफपीआई की निकासी 61,973 करोड़ रुपए रही थी। इस साल एफपीआई भारतीय शेयरों से 2.21 लाख करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। इससे पहले 2008 के पूरे साल में उन्होंने 52,987 करोड़ रुपये की निकासी की थी। एफपीआई की निकासी की वजह से रुपया भी कमजोर हुआ है। हाल में रुपया 79 प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गया।

सरकार ने जूट मार्क लोगो का अनावरण किया

कोलकाता । सरकार ने जूट उत्पादों के लिए प्रमाणीकरण की शुरुआत की, जिसके तहत केंद्रीय कपड़ा सचिव यूपी सिंह ने जूट मार्क इंडिया के 'लोगो' का अनावरण किया। सिंह ने कहा कि यह भारतीय जूट उत्पादों को बढ़ावा देने और उनकी पहचान की रक्षा करने की एक पहल है। राष्ट्रीय जूट बोर्ड ने एक बयान में कहा` कि जूट मार्क इंडिया (जेएमआई) योजना पारंपरिक जूट और जूट उत्पादों के लिए उत्पत्ति स्थल और गुणवत्ता के बारे में सामूहिक पहचान और आश्वासन प्रदान करेगी। इसलिए जेएमआई शक्तिशाली रचनात्मक कार्य की पहचान होगी, जो जूट उत्पाद को गुणवत्ता को परिभाषित करेगी। इसे प्रतिस्पर्धा में अलग पहचान देगी और इसे ग्राहकों के साथ जोड़ेगी। प्रमाणन से घरेलू बाजार और भारत से जूट उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। प्रत्येक जूट मार्क लेबल में एक अद्वितीय क्यूआर कोड होगा और इसे स्कैन करके, ग्राहक निर्माता के बारे में जान सकते हैं। राष्ट्रीय जूट बोर्ड केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय की नोडल एजेंसी है, जो भारत और विदेशों में जूट और जूट उत्पादों के प्रचार के लिए जिम्मेदार है। केंद्र द्वारा 485.58 करोड़ रुपए के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ वित्त वर्ष 2022 और वित्तवर्ष 2026 के बीच जूट क्षेत्र के विकास और प्रचार के लिए एक छत्र योजना के तहत जेएमआई को लागू किया गया था। वर्ष 2020-21 के दौरान भारत से जूट के सामानों का निर्यात 2,740 करोड़ रुपए का था।

पिछले एक साल में 244 रुपए महंगी हुई रसोई गैस

नई दिल्ली ।

एलपीजी रसोई गैस की रिकॉर्ड कीमत ने आम आदमी का बजट और बिगाड़ दिया है।. पिछले एक साल में रसोई गैस की कीमतें 8 बार बढ़ी हैं। इस सप्ताह रसोई गैस की दरों में 50 रुपए प्रति सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की बढ़ोतरी की गई। इसके साथ ही पिछले एक साल में कुल वृद्धि 244 रुपए हो गई है। बिना सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर (उज्ज्वला योजना को छोड़कर) की कीमत अब 1,053 रुपए हो गई है। उज्ज्वला योजना वाले लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 853 रुपए का भुगतान करना होगा। आंध्र प्रदेश की एक गृहिणी ने कहा कि एलपीजी धुआं रहित ईंधन है लेकिन फिर भी यह हमारे आंसू निकाल रहा है। तील महीनों में एलपीजी के एक सिलेंडर कीमत बिना टैक्स के 150 रुपए बढ़ी है और कुल मिलाकर वृद्धि लगभग 160 रुपए हुई है। आंध्रप्रदेश में एक सिलेंडर अब 1,075 रुपए में है। वैट जैसे लोकल टैक्स के आधार पर ईंधन की कीमत विभिन्न राज्यों में अलग-अलग होती है। दिल्ली के एक एसबीआई कर्मचारी ने कहा कि इन दिनों हमारे लिए रसोई गैस सिलेंडर का खर्च उठाना काफी मुश्किल है। हर महीने घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ जाती है। जिससे हमारे घर के बजट को संतुलित करना और भी मुश्किल हो जाता है। एक गृहिणी ने कहा कि वह अपने खर्चों को काबू में रखने के लिए रसोई गैस के साथ ही मिट्टी के तेल का इस्तेमाल करने के बारे में सोच रही थीं। हरियाणा के एक प्राइवेट स्कूल की टीचर ने कहा कि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी ने उनके जैसे मध्यम वर्गीय परिवारों को प्रभावित किया है।

मुद्रास्फीति देश के आर्थिक संस्थानों में जनता के विश्वास का एक मापक है: दास

- केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को काबू में रखने मौद्रिक उपाए जारी रखेगा ताकि मजबूत और स्थाई वृद्धि हासिल की जा सके

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने भरोसा जताया है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में मुद्रास्फीति क्रमिक रूप से नरम पड़ेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिए मौद्रिक उपाए जारी रखेगा ताकि मजबूत और स्थाई वृद्धि हासिल की जा सके। दास ने कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन के उदघाटन सत्र में कहा कि मुद्रास्फीति देश के आर्थिक संस्थानों में जनता के विश्वास का एक मापक है।

कुल मिलाकर इस समय आपूर्ति का परिदृश्य अनुकूल दिखाई दे रहा है और कई उच्च आवृत्ति संकेतक 2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सुधार की फ्लेक्सिबिलिटी की ओर इशारा कर रहे हैं। ऐसे में हमारा वर्तमान आकलन है कि 2022-23 की दूसरी छमाही में मुद्रास्फीति धीरे-धीरे कम हो सकती है। उन्होंने कहा कि वृहद आर्थिक और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए मूल्य स्थिरता महत्वपूर्ण है और इसलिए केंद्रीय बैंक व्यापक आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने और बढ़ावा देने के उपाय करेगा। हालांकि, हमारे नियंत्रण से परे कारक शॉर्ट टर्म में मुद्रास्फीति को प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन मीडियम टर्म में इसकी चाल मौद्रिक नीति द्वारा निर्धारित होगी। इसलिए मौद्रिक नीति को मुद्रास्फीति को स्थिर करने के लिए समय पर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि अर्थव्यवस्था को मजबूत स्थिति में और सतत वृद्धि की राह पर कायम रखा जा सके।

बता दें कि हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में शक्तिकांत दास ने कहा था कि भारत की खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर तक 6 प्रतिशत से अधिक रहेगी और फिर नीचे आ जाएगी। उन्होंने कहा` कि हम मुद्रास्फीति को कम करने के लिए सही रास्ते पर हैं। दिसंबर तक सीपीआई मुद्रास्फीति निर्धारित दायरे से अधिक रहने का अनुमान है। इसके बाद हमारे वर्तमान अनुमानों के अनुसार इसके 6 प्रतिशत से नीचे जाने की उम्मीद है।

स्टील एक्सचेंज इंडिया लि. 600 करोड़ रुपये जुटाएगी -

रु.10 फेस वैल्यू वाला शेयर 1 रुपए फेस वैल्यू में विभाजित

मुम्बई/इन्दौर।

बीएसई (534748) और एनएसई (एसईआईएल) सूचीबद्ध स्टील एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड जो लोहा और इस्पात निर्माण के क्षेत्र में एक स्थापित लीडर और एपी के सबसे बड़े निजी एकीकृत इस्पात संयंत्र हैं, ने इक्विटी शेयरों या, परिवर्तनीय डिबेंचर या वारंट, असुरक्षित, सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर या एक संयोजन, आदि में परिवर्तनीय प्रतिभूतियों को जारी करने के माध्यम से राइट्स इश्यू या एफपीओ (आगे सार्वजनिक पेशकश) या निजी प्लेसमेंट या योग्य संस्थान प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के माध्यम से कुल 600 करोड़ रुपये तक) या किसी अन्य माध्यम से धन जुटाने को मंजूरी दी है। बोर्ड ने कंपनी के इक्विटी शेयरों के विभाजन के प्रस्ताव को 10 रुपये के अंकित मूल्य से 1 रुपये प्रत्येक के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों में मंजूरी दे दी थी।

जिसमें 12 जुलाई 2022 से ट्रेड किया जाएगा। स्टील एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड (एसईआईएल) विजाग प्रोफाइल समूह की प्रमुख कंपनी है। 1999 में स्थापित, **SEIL 'SIMHADRI TMT'** ब्रांड के तहत **TMT** रिबर्स का एक अग्रणी निर्माता है। कंपनी के पास दो तेलुगु राज्यों, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में सबसे बड़ा निजी एकीकृत इस्पात संयंत्र है।

कंपनी का लक्ष्य कस्टम बेस और ग्राहक संगठनों को बढ़ाते हुए एक गुणवत्ता वाले स्टील उत्पाद केंद्र के रूप में विकसित होना है। कंपनी के प्रमुख ग्राहकों में भारतीय रेलवे, शापूरजी पल्लोनजी, कॉनकोर, नोवोटेल, भेल, एनसीसी, आदि शामिल हैं।

पिछले साल की शुरुआत में, कंपनी के बोर्ड ने कंपनी के व्यावसायिक कार्यक्षेत्र के संबंध में पुनर्गठन के लिए विभिन्न विकल्पों के मूल्यांकन और कंपनी की जैविक और अकार्बनिक संपत्तियों के बेहतर उपयोग को मंजूरी दी थी।

आरबीआई ने बैंक ऑफ इंडिया और फेडरल बैंक पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया और फेडरल बैंक को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेगुलेटरी कंप्लायंस में कमी को लेकर फेडरल बैंक पर 5.72 करोड़ रुपए और बैंक ऑफ इंडिया पर 70 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि आरबीआई ने अपने केवाईसी मानदंडों के कुछ प्रावधानों और रेगुलेटरी कंप्लायंस के मामले में निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया पर 70 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। एक अलग बयान में आरबीआई ने फेडरल बैंक के बारे में कहा` कि बैंक यह सुनिश्चित करने में विफल रहा कि इंश्योरेंस कंपनी द्वारा बीमा ब्रोकिंग और कॉरपोरेट एजेंसी सेवाओं में लगे उसके कर्मचारियों को कोई इंसेंटिव दिया गया या नहीं। आरबीआई ने एक अन्य बयान में कहा कि केवाईसी मानदंडों का पालन न करने के लिए गुरुग्राम स्थित धानी लोन्स एंड सर्विसेज लिमिटेड पर भी 7.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई की ओर से बैंक ऑफ इंडिया और फेडरल बैंक पर जुर्माना लगाए जाने से बैंक के ग्राहकों की जमा पूंजी पर कोई असर नहीं होगा। इसका कारण यह है कि आरबीआई ने बैंक पर नियमों का पालन नहीं करने के कारण कार्रवाई की है। ऐसे में बैंक की सेवा पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। इससे पहले आरबीआई सेंट्रल बैंक, एसबीआई समेत कई बैंकों पर भी जुर्माना लगा चुका है। हाल ही में आरबीआई ने इंडियन ओवरसीज बैंक पर 57.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था।

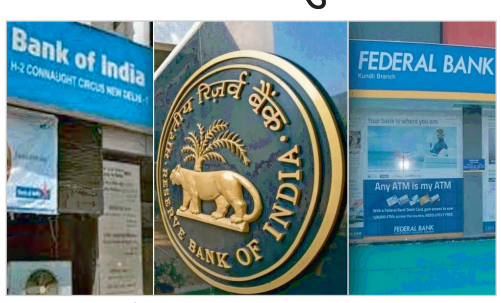

विराट कोहली बन गए हैं टीम इंडिया की सबसे कमज़ोर कड़ी? इंग्लैंड के खिलाफ फॉर्म में लौटे भारतीय गेंदबाद

साउथैंपटन (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम बदल रही है! क्रिकेट लवर्स पिछले कुछ सालों से टीम इंडिया के एक कमजोर रूप को देख रहे थे। भारतीय क्रिकेट टीम की ऐसी हालत के पीछे आखिर क्या कारण थे वह किसी को नहीं पता लेकिन फैंस के बीच मैदान में जब टीम इंडिया उतरती और खेलती, तब मैच देखने में मजा नहीं आता था। खेल में आक्रामकता का आभाव, ढीली गेंदबादी, खेल खत्म होने से पहले ही हथियार डाल देना, बल्लेबाजों का फॉर्म से आउट होना। कुछ एक बल्लेबाजों ने टीम की जिम्मेदारी अपने सिर पर उठा रखी थी लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने इंग्लैंड दौरे पर गयी भारत की टीम का रंग कुछ अलग दिखायी पड़ा! कुछ सालों से कमजोर पावरप्ले की शुरूआत करने वाली टीम इंडिया ने शायद अपनी क्रिकेट की रणनीति में बदलाव किया था। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने 2-0 की बढ़त हासिल करके सीरीज अपने नाम कर ली है। रविवार (10 जुलाई 2022) को टीम सीरीज का आखिरी मैच इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी। मैच 6 बजे से शुरू होगा।

पावर प्ले में टीम इंडिया ने दिखाई आक्रामकता

टीम इंडिया अपने विकेट बचाने के लिए पावर-प्ले में बहुत संभलकर खेलती थी लेकिन इंग्लैंड के लिखाफ पावर-प्ले में बिना विकेट गवाने के डर से टीम इंडिया आक्रामक खेली। पावर प्ले में रोहित शर्मा और ऋषभ पंथ ने ओपनिंग की और निडर अंदाज में खेले। बहुत दिनों बाद रोहित शर्मा का बेबाद अंदाज से क्रिकेट खेलने वाला स्टाइल फैंस ने मैदान में देखा। छह ओवर यानी पावरप्ले के बाद सिर्फ एक विकेट के नुकसान पर 61 रन बने थे। रोहित शर्मा ने 20 बोलों में 31 रन बनाए जिसमें उन्होंने कई चौके-छक्के लगाए आखिर में रिचर्ड गीशन की गेंद पर कप्तान आउट हो गये। पहली बार मैदान में उतरी रोहित और ऋषभ की जोड़ी ने 29 गेंद पर 49 रन जड़े। इसके लग रहा था कि स्कोर शायद 200 के पार जाएगा लेकिन रोहित के आउट होने के बाद 89 रनों पर भारत ने अपने एक साल 5 विकेट गंवा दिए। 10 बॉलों के अंदर ऋषभ पंद, विराट कोहली, हार्दिक पांड्या और सुर्यकुमार यादव आउट हो गये। भले ही भारत ने अपने विकेट गिराए लेकिन भारत के खेलने के अंदाज में परिवर्तन नहीं दिखा। विकेट के दवाब के बाद भी भारत का स्कोर बोर्ड चल रहा था। दिनेश कार्तिक और रवींद्र जडेजा के कंधों पर एक सम्मान जनक स्कोर खड़ा करने की जिम्मेदारी आयी। जिसे जडेजा ने निभाया भी। टीम ने इंग्लेंड को 170 रनों का टारगेट दिया।

विराट कोहली आये और विराट कोहली गये (3 गेंद पर 1 रन)

आयरलैंड के खिलाफ एक अर्धशतक लगाकर शानदार फॉर्म में चल रहे दीपक हुड्डा ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में भी शानदार खेल खेला लेकिन विराट की वापसी के लिए दी दीपक को बाहर कर दिया गया। विराट कोहली फॉर्म में नहीं है शायद ये बात हिंदुस्तान का बच्चा-बच्चा जान गया है। पिछले कुछ सालों से विराट का बल्ला शांत है। 200 की स्ट्राइक रेट से खेलने वाला और टीम इंडिया को शिखर पर पहुंचाने वाला खिलाड़ी इस समय

अपने करियर के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। विश्व कप के लिए टीम तैयार हो रही है और विराट कोहली रन ही नहीं बना पा रहे हैं। ऐसे में विराट के विश्व कप खेलने को लेकर भी कई तरह की चर्चा हो रही है। विराट कोहली को फॉर्म में वापसी करनी होगी अगर वह चाहते है कि भारत विश्व कप जीते! एग्रेसिव खेलने के निर्देशों का पालन करते हुए विराट ने अपने बल्लेबाजी करने के तरीके से विपरीत तीसरी गेंद पर ही शॉट खेलने का ट्राई किया और कैंच आउट हो गये। उन्होंने तीन गेंद में एक रन बनाया।

भारतीय क्रिकेट की शानदार गेंदबाजी

समकालीन क्रिकेट में बहुत कम गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार से बेहतर गेंद को स्विंग करा पाते हैं लेकिन सफेद कूकाबूरा गेंद से तीन दिन में दूसरी बार इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरने के बाद भारत के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह गेंद को स्विंग करा रहे हैं या हालात के कारण ऐसा हो रहा है। या फिर गेंद ही खुद स्विंग हो रही है।

विश्व खेल: वर्मा और ज्योति की मिश्रित टीम को कांस्य पदक

बर्मिंघम (एजेंसी)।

अभिषेक वर्मा और ज्योति सुरेखा वेनाम की भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने यहां विश्व खेलों में मैक्सिको के अपने प्रतिद्वंद्वियों को एक अंक से पछाड़कर कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने परफेक्ट शुरुआत करते हुए पहले दौर में बढ़त बनाई लेकिन आंद्रिया बेकेरा और मिगुएल बेकेरा की जोड़ी ने दूसरे दौर में बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्कोर बराबर कर दिया।

वर्मा और ज्योति ने इसके बाद तीसरे दौर में वापसी की और अंतिम दौर में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक के प्ले आफ मुकाबले को 157-156 से जीत लिया। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के बयान के अनुसार यह विश्व खेलों में भारत का अब तक का पहला पदक और विश्व कप के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता वर्मा का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 50वां पदक है। वर्मा कंपाउंड तीरंदाजी में सभी स्तर पर पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय तीरंदाज हैं। उन्होंने विश्व खेलों, विश्व चैंपियनशिप, विश्व कप फाइनल, विश्व कप, एशियाई खेल और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीते हैं।

व्यक्तिगत वर्ग में हालांकि वर्मा ने निराश किया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी विश्व चैंपियन अमरीका के माइक श्लोसर को क्वार्टर फाइनल में हराने वाले वर्मा सेमीफाइनल की बाधा को पार करने में नाकाम रहे। उन्हें विश्व रैंकिंग में अपने से एक स्थान बेहतर चौथे स्थान पर मौजूद फ्रांस के जीन फिलिप बोल्च के खिलाफ 141-143 से शिकस्त झेलनी पड़ी। वर्मा इसके बाद कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में अपने से कम रैंकिंग वाले कनाडा के क्रिस्टोफर पार्किंस से 145-148 से हार गए।

73 साल के हुए लिटिल मास्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर रविवार 10 जुलाई को 73 साल के हो गए। गावस्कर को जन्मदिन पर साथी खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने शुभकामनाएं दी हैं। गावस्कर टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल की जब विश्व क्रिकेट में डेनिस लिली, रिचर्ड हैडली , इमरान खान और वेस्टइंडीज की पैस बैटरी (माइकल होल्डिंग, जोएल गार्डर और मेलकम मार्शल) छाये थे। गावस्कर इन खतरनाक गेंदबाजों के सामने हेलमेट के बिना ही उतरते थे। इसके बाद भी तेज गेंदबाज उनसे खौफ खाते थे। गावस्कर, ने 16 साल के लंबे करियर में उन्होंने 233 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 13,214 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए। उनकी सबसे पसंदीदा टीम वेस्टइंडीज ही मानी जाती थी जिसके खिलाफ 27 मैचों में उन्होंने 13 शतक लगाए। 7 मार्च 1987 को गावस्कर ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हुए अपने 10,000 रन पूरा किए और टेस्ट क्रिकेट में ऐसा करने वाले वह पहले बल्लेबाज बने।टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक शतक भी गावस्कर के ही नाम थे। उन्होंने 125 टेस्ट मैचों में 34 शतक लगाए हैं।

करुणारत्ने-मेंडिस की शानदार साझेदारी से श्रीलंका बड़े स्कोर की ओर

कोलंबो (एजेंसी)।

दिमुथ करुणारत्ने और कुसल मेंडिस की शानदार बल्लेबाजी से मेजबान श्रीलंकाई क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 184 रन बना लिए थे। करुणारत्ने 86 रन बनाकर आउट हुए जबकि मेंडिस ने नाबाद 84 रन बनाये थे। इन दोनो के बीच ही दूसरे विकेट के लिए 152 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी हुई। इससे पहले स्पिनर प्रभात जयसूर्या के छह विकेटों की सहायता से दूसरे दिन के शुरुआती सत्र में श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहली पारी में 364 रन पर समेट दिया था। दिन का खेल समाप्त होने के समय मेंडिस 84 और पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज छह रन बनाकर खेल रहे थे। मिचेल स्टार्क की गेंद पर सलामी बल्लेबाज प्रथुम निशंका के 06 रनों पर ही आउट होने के बाद कप्तान करुणारत्ने और मेंडिस ने शानदार बल्लेबाजी की। करुणारत्ने ने इस दौरान अपने टेस्ट करियर का 30 वां अर्धशतक लगाया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत पहली पारी में पांच विकेट पर 298 रन से की पर पदार्पण कर रहे प्रभात जयसूर्या ने शानदार गेंदबाजी कर ऑस्ट्रेलिया को बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोक दिया। बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 145 रन बनाकर नाबाद रहे। प्रभात जयसूर्या पदार्पण टेस्ट में पांच या अधिक विकेट लेने वाले श्रीलंका के छठे गेंदबाज है। इससे पहले प्रवीण जयविक्रमा ने पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ 92 रन पर छह विकेट लिए थे। जयसूर्या ने शनिवार सुबह पिछले दिन के नाबाद बल्लेबाज एलेक्स कैरी को 28 रन पर आउट कर स्मिथ के साथ छठे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी को तोड़ा।

टी20 विश्व कप जीत सकती है भारतीय टीम : अफरीदी

लाहौर। भारतीय टीम के इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन का लोहा इस बार पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भी माना है। अफरीदी ने पहले दोनो मुकाबलों में भारतीय टीम की जीत पर खुशी व्यक्त की है। अफरीदी ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उसकी गेंदबाजी शानदार रही है। साथ ही कहा कि अगर भारतीय टीम ऐसा ही प्रदर्शन आगे भी करती रही तो टीम इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप को जीतने में सफल रहेगी। वहीं पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर दानिश कनेरिया ने भी टीम इंडिया की जमकर तारीफ की। कनेरिया ने विशेष रुप से अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की स्विंग गेंदबाजी को सराहा है। उन्होंने कहा, कोई कुछ भी कहे पर मौजूदा दौर में विश्व क्रिकेट में नई गेंद को स्विंग कराने में भुवनेश्वर से बेहतर कोई नहीं है। उन्होंने इससे पहले, उनकी इनस्विंग गेंदों की तुलना मोहम्मद आसिफ से भी की थी।

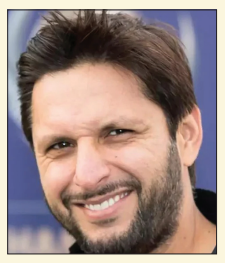

भुवनेश्वर ने बनाया रिकार्ड

बर्मिंघम । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। भुवनेश्वर 14 वीं बार टी20 अंतरराष्ट्रीय में पहले ही ओवर में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। भुवनेश्वर ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में 3 ओवर में 15 रन देकर 3 विकेट लिए और उन्हें अपनी इस उपलब्धि के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। भुवी ने कप्तान जोस बटलर और रिचर्ड ग्लीसन को भी आउट किया। वहीं पहले टी20 में भी भुवनेश्वर ने 3 विकेट लिए थे। टेस्ट खेलने वाले देशों की बात करें, तो यह किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भुवनेश्वर का प्रदर्शन टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक अच्छा रहा है। उन्होंने 68 मैच में 23 की औसत से 70 विकेट लिए हैं। इस दौरान 24 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 7 से कम रहा। है। उन्होंने कुल 230 टी20 में 236 विकेट लिए हैं इससे पहले इंग्लैंड के डेविड विली ने 13, श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज ने 11 और न्यूजीलैंड के टिम साउदी ने 9 बार पहले ही ओवर में विकेट लिए थे।

भारत-जिम्बाबे दौरा: 18 से 22 अगस्त के बीच तीन एकदिवसीय मैंच खेलेगी टीम इंडिया

जिम्बाबे दौरे के बाद शुरु होगा एशिया कप

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

टीम इंडिया के लिए आगामी महीने काफी व्यस्त रहने वाले हैं। टी-20 विश्व कप से पहले ही टीम तीन देशों का दौरा करेगी। कार्यक्रम इतना व्यस्त हैं, कि रेगुलर खेलने वाले खिलाडियों को घर जाने तक का मौका नहीं मिलेगा। इसी बीच भारत के जिम्बाबें दौरे की डेट भी सामने आ गई हैं। भारत ने 3 वनडे मुकाबले खेलने हैं, जोकि 18 से 22 अगस्त तक होने वाले हैं। पहला वनडे 18 अगस्त को, दूसरा वनडे 20 अगस्त को और तीसरा वनडे 22 अगस्त को खेला जाएगा।

भारतीय टीम का व्यस्त कार्यक्रम में टीम अभी इंग्लैंड के दौरे पर है। इंग्लैंड का दौरा 17 जुलाई को समाप्त होगा। इसके बाद वेस्टइंडीज का दौरा 22 जुलाई से शुरू होकर 7 अगस्त को खत्म होगा। इसके बाद टीम इंडिया के दौरे पर रहेगी। जिम्बाबे दौरा 18 अगस्त से शुरू हो जाएगा और 22 अगस्त को समाप्त होगा। इसके बाद टीम इंडिया को एशिया कप खेलना हैं। एशिया कप 27 अगस्त से शुरू होगा और 11 सितंबर को खत्म होगा।

जाहिर है कि इंग्लैंड का दौरा खत्म होते ही टीम इंडिया विंडीज पहुंचेगी। जहां 3 टी-20 और 3 वनडे मुकाबले होने हैं। इसके बाद जिमबाब्वे दौरा होगा। पांच दिन बाद ही एशिया कप शुरू होगा। टाइट शैड्यूल से जाहिर है कि कई प्लेयरों को बीसीसीआई रोटेशन वाइज इस्तेमाल करेगा। बीसीसीआई ने पहले ही विंडीज दौरे के कारण वनडे मैचों के लिए शिखर धवन को कप्तानी सौंपी है। तीन वनडे मैचों की सीरीज के यह मुकाबले रात 7 बजे से शुरू होने हैं।

इस बीच बीसीसीआई कप्तानों के लेकर भी चर्चा में हैं। साल में बीसीसीआई कई कप्तानों को आजमा चुकी हैं। दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के लिए विराट कोहली, दक्षिण अफ्रीका वनडे के लिए केएल राहुल, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज सीरीज के लिए रोहित शर्मा, दक्षिण अफ्रीका टी-20 आई के लिए ऋषभ पंत, आयरलैंड टी-20 आई के लिए हार्दिक पांड्या, इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में जसप्रीत बुमराह और डर्बीशायर के खिलाफ अभ्यास मैच के लिए दिनेश कार्तिक कप्तानी कर रहे हैं।

एलेना रिबाकिना ने जाबेर को हराकर विम्बलडन में जीता पहला ग्रैंडस्लैम खिताब

विम्बलडन (इंग्लैंड)। एलेना रिबाकिना विम्बलडन फाइनल में ओन्स जाबेर को 3-6, 6-2, 6-2 से हराकर ग्रैंडस्लैम एकल चैम्पियनशिप जीतने वाली कजाखस्तान की पहली टेनिस खिलाड़ी बन गई। मॉस्को में जन्मीं रिबाकिना 2018 के बाद से कजाखस्तान का प्रतिनिधित्व कर रही हैं जिस देश ने उनके टेनिस करियर के लिए उन्हें वित्तीय मदद देने की पेशकश की थी। इस पर विम्बलडन के दौरान काफी चर्चा भी होती रही क्योंकि 'आल इंग्लैंड क्लब' ने यूक्रेन पर हमले के कारण रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया था। यह आल इंग्लैंड क्लब पर 1962 के बाद पहला महिला खिताबी मैच रहा जिसमें दोनों खिलाड़ी अपने पदार्पण में मेजर फाइनल में पहुंची हों। रिबाकिना की रैंकिंग 23 है। 1975 में जब से डब्ल्यूटीए कम्प्यूटर रैंकिंग शुरू हुई है, महज एक महिला खिलाड़ी ऐसी है जिसने रिबाकिना से निचली रैंकिंग पर रहते हुए विम्बलडन खिताब जीता और वो हैं वीनस विलियमस जिन्होंने 2007 में यहां खिताब जीता था और तब उनकी रैंकिंग 31 थी। हालांकि इससे पहले वीनस नंबर एक रह चुकी थीं और आल इंग्लैंड क्लब में अपने करियर की पांच ट्राफियों में से तीन जीत चुकी थीं। रिबाकिना ने सेंटर कोर्ट पर जाबेर की 'स्पिन' और 'स्लाइस' से पार पाने के लिए अपनी सर्विस और ताकतवर फॉरहैंड का बेहतर इस्तेमाल किया। रिबाकिना ने इस तरह जाबेर की लगातार 12 मैच जीतने की लय तोड़ दी। जाबेर की यह लय ग्रासकोर्ट पर चल रही थी।

महिला हॉकी विश्व कप : क्वार्टरफाइनल सीट के लिए स्पेन से भिड़ेगा भारत

टेरासा (स्पेन) (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के पूल बी में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए स्पेन का सामना करेगी। गोलकीपर सविता की कप्तानी में भारत ने राउंड रॉबिन लीग में इंग्लैंड (1-1) और चीन (1-1) के साथ ड्रॉ खेले, हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। अब भारत को क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिए स्पेन के टेरेसा में होने वाले क्रॉसओवर मैच में मेजबान स्पेन पर जीत दर्ज करनी होगी।

अपने अब तक के विश्व कप अभियान के बारे में

सविता ने कहा कि हमें पता था कि पूल मैच बेहद मुश्किल होने वाले हैं। हमने डटकर मुकाबला किया और हार नहीं मानी, लेकिन नतीजे हमारे पक्ष में नहीं आये। हम इन नतीजों को पीछे छोड़ते हुए आगे आने वाले मैच पर ध्यान देंगे। हम अब भी प्रतियोगिता में बने हुए हैं और क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिये अपना सब कुछ देंगे। स्पेन पूल स्टेज में दो जीत और एक हार के बाद भारत का मुकाबला करेगी। उन्होंने अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत कनाडा के खिलाफ 4-1 की जीत से की थी, लेकिन वह अर्जेंटीना के खिलाफ दूसरा मैच 1-4 से हार गये थे। मेजबान टीम ने तीसरे मैच में वापसी करते हुए कोरिया को 4-1 से हराकर पूल सी में दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले जब भारत और स्पेन एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 में सामने आए थे तो मुकाबला बराबरी का रहा था। दोनों टीमों के बीच दो मैच खेले गए थे जिसमें भारत ने पहला मैच 2-1 से जीता था जबकि स्पेन ने दूसरा मैच 4-3 से अपने नाम किया था।

लियॉन मास्टर्स शतरंज - आनंद और बोरिस के बीच होगा फाइनल

लियॉन ,स्पेन । 35वें लियॉन शतरंज फेस्टिवल रैपिड टूर्नामेंट का फाइनल मुक़ाबला भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद का मुक़ाबला उनके लंबे समय तक करीबी प्रतिद्वंदी रहे इज़राइल के बोरिस गेलफंड के बीच खेला जाएगा । इस नॉक आउट रैपिड मुक़ाबले के लिए आनंद और गेलफंड के अलावा मेजबान स्पेन के जेमे संटोस लताशा और रूस के आन्द्रे एसीपेंकों को शामिल किया गया था और इनके बीच चार रैपिड मुकाबलों का सेमी फाइनल मुक़ाबला खेला गया जिसमें आनंद नें लताशा को तो बोरिस नें एसीपेंकों को पराजित करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया है ।

आनंद नें लताशा के खिलाफ आनंद पहला रैपिड हारने के बाद वापसी करते हुए चार रैपिड का मुक़ाबला 1.5-2.5 से जीतने में कामयाब रहे । बोरिस गेलफंड और आन्द्रे एसीपेंकों के बीच चार रैपिड के बीच मुक़ाबला 2-2 से ड्रॉ रहा इसके बाद ब्लिट्ज़ टाईब्रेक 1-1 से बराबरी पर छूटा ऐसे में अंतिम अरमागोदेन टाईब्रेक जीतकर बोरिस नें फाइनल में जगह बना ली ।

महेंद्र सिंह धोनी का वो आखिरी मैच, जिसकी हार के लिए वह आज भी खुद को कोसते है!

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वनडे वर्ल्ड कप 2019 भारत और न्यूजीलैंड के बीच 10 जुलाई को सेमीफाइनल मैच चल रहा था और इंडिया जीत के करीब पहुंच रही थी। बीच में लगातार भारतीय टीम ने अपने बड़े विकेट खो दिए थे लेकिन मैदान में जब तक महेंद्र सिंह धोनी खड़े थे तब तक टीम की फाइनल में जाने की उम्मीद जिंदा था लेकिन एक दर्दनाक एक्सीडेंट हुआ और धोनी दो इंच की दूरी से रन आउट हो गये। धोनी के रन आउट होते ही करोडों फैंस की उम्मीद भी टूट गयी। आज इस बात को 3 साल हो गये हैं लेकिन जब भी बात आती है वनडे वर्ल्ड कप 2019 की, तो सबसे पहले 2 इंच की दूरी से धोनी का रन आउट होना आखों के सामने आ जाता है। फैंस ही नहीं खुद टीम इंडिया के कई खिलाड़ी भी इस हार के दर्द को कई बार बयां कर चुके हैं। महेंद्र सिंह धोनी भी खुद को इस तरह से आउट हो जाने को लेकर कई बार कोसते नजर आये हैं। भारतीय जर्सी में एमएस धोनी का अंतिम खेल दिल तोड़ने वाला था। 2019 विश्व कप में खेलते एमएस धोनी का चमत्कार लोगों ने नहीं देखा और केन विलियमसन की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल भारत हार गया। खेल के 49वें ओवर में दो रन लेने के चक्कर में धोनी आउट हुए। धोनी सफेल लाइन से दो इंच की दूरी पर थे जब मार्टिन गप्टिल ने बॉल को स्टंप पर मार दिया और धोनी आउट हो गये। महान भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के अंतरराष्ट्रीय करियर को उन उपलब्धियों के साथ देखा जाता है जो इससे पहले किसी भी भारतीय क्रिकेट क्तान ने हासिल नहीं की थी। क्रिकेट के इतिहास में धोनी सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं और आज करोड़ो लोगों के लिए प्रेरणा है। एमएस धोनी खेल के कई पहलुओं में बेजोड़ हैं। फिर चाहे स्टंप के पीछे उनकी क्षमता (विकेटकीपिंग), खेल के पीछे उनका तेज दिमाग और दबाव की स्थितियों पर उनकी कमान, कई खिलाड़ियों के लिए सीखने का पहलू रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंधकार से प्रकाश का पर्व

गुरू पुर्णिमा

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। हिंदू धर्म में इस पूर्णिमा का विशेष महत्व है। धर्म ग्रंथों के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के अवतार वेद व्यासजी का जन्म हुआ था। इन्होंने महाभारत आदि कई महान ग्रंथों की रचना की। कौरव, पाण्डव आदि सभी इन्हें गुरु मानते थे इसलिए आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा व व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। इस दिन गुरु की पूजा कर सम्मान करने की परंपरा प्रचलित है। हिंदू धर्म में गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ माना गया है क्योंकि गुरु ही अपने शिष्यों को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है तथा जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार करता है। गुरु पूर्णिमा अर्थात सद्गुरु के पूजन का पर्व। गुरु की पूजा, गुरु का आदर किसी व्यक्ति की पूजा नहीं है अपितु गुरु के देह के अंदर जो विदेही आत्मा है, परब्रह्म परमात्मा है उसका आदर है, ज्ञान का आदर है, ज्ञान का पूजन है, ब्रह्मज्ञान का पूजन है।

अगर हम प्राचीन ग्रंथो और शास्त्रों का अध्ययन करें तो, आज भी हमें गुरु महिमा का मार्मिक वर्णन मिलता है। मुलतः गुरु शब्द दो अक्षरों का मिलाकर बनाया गया है गु और रु। गु का अर्थ अंधकार और रु का अर्थ अंधकार का हटाने वाला बताया गया है। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है, अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। गुरु वह है जो अज्ञान का निराकरण कर, धर्म का मार्ग दिखाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

भारत भर में गुरू पूर्णिमा का पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करता था तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु का पूजन करके उन्हें अपनी शक्ति सामर्थ्यानुसार दक्षिणा देकर कृतकृत्य होता था। आज भी इसका महत्व कम नहीं हुआ है। पारंपरिक रूप से शिक्षा देने वाले विद्यालयों में, संगीत और कला के विद्यार्थियों में आज भी यह दिन गुरू को सम्मानित करने का होता है। मंदिरों में पूजा होती है, पवित्र नदियों में स्नान होते हैं, जगह जगह भंडारे होते हैं और मेले लगते हैं।

गुरू पूर्णिमा की महिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा से जुडी हैं। शास्त्रों में गुरु पूजा का विधान आषाढ़ मास की पूर्णिमा को ही है। गुरू पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरंभ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-संत एक ही स्थान पर रहकर चारो तरफ ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वोत्तम सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न ज्यादा गर्मी और न ज्यादा सर्दी, चारो तरफ हरियाली और वर्षा की छोटी छोटी बुंदों का चारो तरफ आनंद ही आनंद रहता है। इसलिए ये महिने अध्ययन के लिए सर्वोत्तम माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, ऐसे ही गुरुचरण में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शांति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं। गुरु पूजन का मन्त्र है -

गुरु ब्रह्मा गुरुर्विष्णु- गुरुदेव महेश्वर। गुरु साक्षात्परब्रह्म तस्मैश्री गुरुवे नम।।

अर्थात- गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परब्रह्म है। ऐसे गुरु को मैं प्रणाम करता हूं।

अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊँचा पद दिया गया है। शास्त्र वाक्य में ही गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। गुरु को ब्रह्मा कहा गया क्योंकि वह शिष्य को बनाता है नव जन्म देता है। गुरु, विष्णु भी है क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करता है गुरु, साक्षात महेश्वर भी है क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार भी करता है। वैसे तो गुरु तत्व की प्रशंसा सभी शास्त्रों में की गई है। ऐसा माना जाता है कि, ईश्वर के अस्तित्व में मतभेद हो सकता है, किन्तु गुरु के लिए कोई भी प्रकार का मतभेद आज तक उत्पन्न नहीं हो सका है। सभी धर्मों में गुरु को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। आदर सम्मान के दृष्टीकोण से हर गुरु ने दूसरे गुरुओं को आदर सम्मान एवं पूजा सहित सम्पुर्ण मान दिया है। भारत के बहुसम्प्रदाय धर्म तो केवल गुरुवाणी के आधार पर ही कायम हैं। गुरु ने जो नियम बताए हैं उन नियमों का श्रद्धा से पालन करना और उन्ही नियमों पर चलना संप्रदाय के शिष्य का परम कर्तव्य और धर्म है। गुरु का कार्य सिर्फ उनके शिष्यों को उचित शिक्षा प्रदान करवाना ही नही बल्कि नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक समस्याओं को हल करना भी है।

गुरु की भूमिका भारत में केवल सिर्फ आध्यात्म या धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि देश पर राजनीतिक विपदा आने पर गुरु ने देश को समय पर उचित सलाह देकर, इस देश को विपदा से उबारा भी है। अर्थात अनादिकाल से ही गुरु का शिष्य का हर क्षेत्र में मार्गदर्शित योगदान रहा है। अतः सद्गुरु की इसी महिमा के कारण उनका व्यक्तित्व हमेशा माता-पिता से ऊपर रहा है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक के अनुसार यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरु अर्थात जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी होनी चाहिए। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

संत कबीर ने यहाँ तक कहा है कि, भगवान के रूठने पर गुरू की शरण हमारी रक्षा कर सकती है किंतु गुरू के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना असम्भव है। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धों ने कल्याणमित्र, जैनों ने तीर्थंकर और मुनि, नाथों तथा वैष्णव संतों और बौद्ध सिद्धों ने उपास्य सद्गुरु कहा है। उस श्री गुरू से उपनिषद् की तीनों अग्नियाँ भी थर-थर काँपती हैं। त्रोलोक्यपति भी गुरू का गुणनान करते है। ऐसे गुरू के रूठने पर कहीं भी ठौर ठीकान नहीं मिल सकता है। सद्गुरु की महिमा बहुत अपरंपार है। उन्होंने शिष्य पर अनंत उपकार किए है। उसने विषय वासनाओं से बंद शिष्य की बंद आँखों को ज्ञानचक्षु द्वारा खोलकर उसे शांत ही नहीं बल्कि अनंत तत्व ब्रह्म का दर्शन भी कराया है। अतः सद्गुरु की महिमा तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी गाते है, इनके सामने हम जैसे मनुष्य की बिसात क्या। इसी के साथ दुनिया के समस्त गुरुओं को मेरा नमन।

गुरुदेव हमारे कर्मों के दाता

चारों वेदों के व्याख्याता गुरु व्यास थे. हमें वेदों का दान देने वाले व्यास जी ही हैं. इसलिए वो हमारे आदि गुरु हुए. गुरु पूर्णिमा के दिन ही ऋषि व्यास का भी जन्मदिन मनाया जाता है. उन की स्मृति को ताजा रखने के लिए हमें अपने गुरु को व्यास जी का ही अंश मान कर सम्मानपूर्वक उन की पूजा करनी चाहिए. गुरु की कृपा से ही विद्या की प्राप्ति होती है.

गुरु के महत्व को हमारे सभी संतो, ऋषियों एवं महान विभूतियों ने उध स्थान दिया है. संस्कृत में गु का अर्थ होता है अंधकार (अज्ञान)एवं रु का अर्थ होता है प्रकाश (ज्ञान)। गुरु हमें अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाते हैं.

हमारे जीवन के प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं. जो हमारा पालन-पोषण करते हैं, सांसारिक दुनिया में हमें प्रथम बार बोलना, चलना तथा शुरुआती आवश्यकताओं को सिखाते हैं. अतः माता-पिता का स्थान सर्वोपरि है. जीवन का विकास सुचारू रूप से चलता रहे, उसके लिए हमें गुरु की आवश्यकता होती है. भावी जीवन का निर्माण गुरू द्वारा ही होता है.

मानव मन में व्याप्त बुराई रूपी विष को दूर करने में गुरु का विशेष योगदान है. महर्षि वाल्मीकि जिनका पूर्व नाम रत्नाकर था. वे अपने परिवार कापालन पोषण करने हेतु दस्युकर्म करते थे. महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण जैसे महाकाव्य की रचना की, ये तभी संभव हो सका, जब गुरू रूपी नारद जी ने उनका हृदय परिवर्तित किया. मित्रों, पंचतंत्र की कथाएं हम सब ने सुनी है. नीति कुशल गुरू विष्णु शर्मा ने किस तरह राजा अमरशक्ति के तीनों अज्ञानी पुत्रों को कहानियों एवं अन्य माध्यमों से उन्हें ज्ञानी बना दिया.

गुरु शिष्य का संबंध सेतु के समान होता है. गुरू की कृपा से शिष्य के लक्ष्य का मार्ग आसान होता है.

स्वामी विवेकानंद जी को बचपन से परमात्मा को पाने की चाह थी. उनकी ये इच्छा तभी पूरी हो सकी, जब उनको गुरु परमहंस का आशीर्वाद मिला. गुरु की कृपा से ही आत्म साक्षात्कार हो सका. छत्रपति शिवाजी पर अपने गुरु समर्थ गुरु रामदास का प्रभाव हमेशा रहा.

गुरु द्वारा कहा एक शब्द या उनकी छवि मानव की कायापलट सकती है. कबीर दास जी का अपने गुरु के प्रति जो समर्पण था, उसको स्पष्ट करना आवश्यक है क्योंकि गुरु के महत्व को सबसे ज्यादा कबीर दास जी के दोहों में देखा जा सकता है. एक बार रामानंद जी गंगा स्नान को जा रहे थे, सीढी उतरते समय उनका पैर कबीर दास जी के शरीर पर पड गया. रामानंद जी के मुख से राम-राम शब्द निकल पडा. उसी शब्द को कबीर दास जी ने दीक्षा मंत्र मान लिया और रामानंद जी को अपने गुरु के रूप में स्वीकार कर लिया. ये कहना अतिश्योक्ति न होगा कि जीवन में गुरु के महत्व का वर्णन कबीर दास जी ने अपने दोहों में पूरी आत्मियता से किया है.

गुरू गोविंद दोऊ खडे काके लागू पांव
बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय.

गुरू का स्थान ईश्वर से भी श्रेष्ठ है. हमारे सभ्य सामाजिक जीवन का आधार स्तभ गुरू हैं। कई ऐसे गुरू हुए हैं, जिन्होने अपने शिष्य को इस तरह शिक्षित किया कि उनके शिष्यों ने राष्ट्र की धारा को ही बदल दिया। आचार्य चाणक्य ऐसी महान विभूती थे, जिन्होंने अपनी विद्वत्ता और क्षमताओं के बल पर भारतीय इतिहास की धारा को बदल दिया। गुरू चाणक्य कुशल राजनितिज्ञ एवं प्रकांड अर्थशास्त्री के रूप में विश्व विख्यात हैं। उन्होने अपने वीर शिष्य चन्द्रगुप्त मौर्य को शासक पद पर सिहांसनारूढ करके अपनी जिस विलक्षंण प्रतिभा का परिचय दिया उससे समस्त विश्व परिचित है। गुरु हमारे अंतर मन को आहत किये बिना हमें सभ्य जीवन जीने योग्य बनाते हैं। दुनिया को देखने का नजरिया गुरू की कृपा से मिलता है। पुरातन काल से चली आ रही गुरु महिमा को शब्दों में लिखा ही नही जा सकता। संत कबीर भी कहते हैं कि

सब धरती कागज करू, लेखनी सब वनराज।
सात समुंद्र की मसि करु, गुरु गुंण लिखा न जाए॥

गुरु पूर्णिमा के पर्व पर अपने गुरु को सिर्फ याद करने का प्रयास है। गुरू की महिमा बताना तो सूरज को दीपक दिखाने के समान है। गुरु की कृपा हम सब को प्राप्त हो। अंत में कबीर दास जी के निम्न दोहे से अपनी कलम को विराम देते हैं।

यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान।
शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान॥

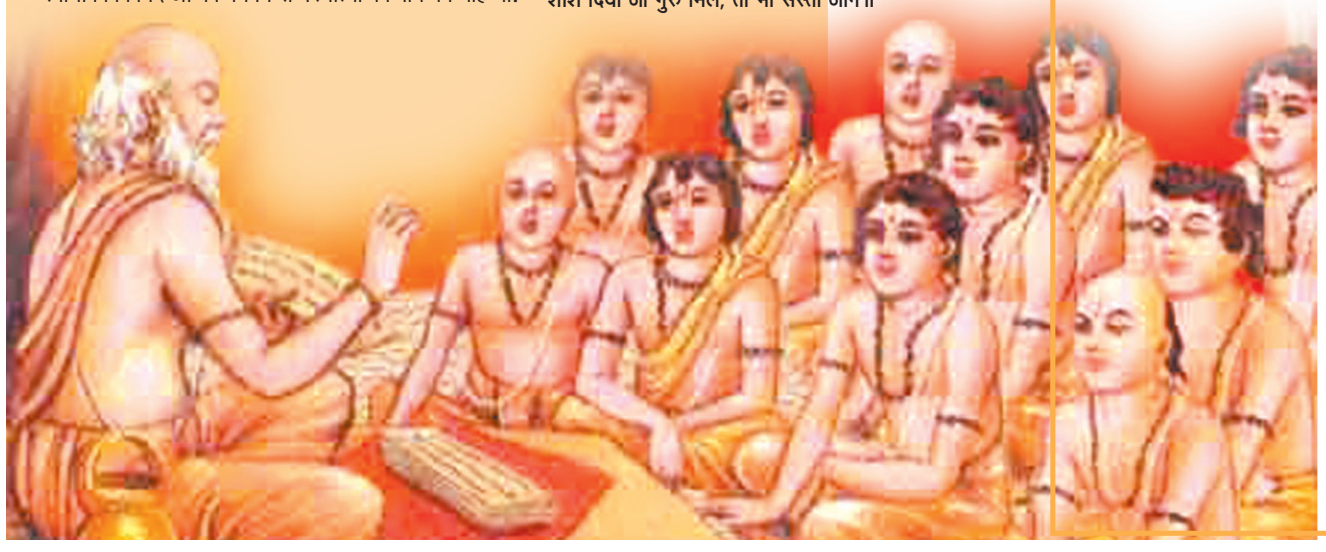

गुरु पूर्णिमा का महत्व

गुरु पूर्णिमा / व्यास पूर्णिमा / मुड़िया पूनों आषाढ मास की पूर्णिमा को कहा जाता है। इस दिन गोवर्धन पर्वत की लाखों श्रद्धालु परिक्रमा देते हैं। बंगाली साधु सिर मुंडाकर परिक्रमा करते हैं क्योंकि आज के दिन सनातन गोस्वामी का तिरोभाव हुआ था। ब्रज में इसे मुड़िया पूनों कहा जाता है। आज का दिन गुरुङ्गपूजा का दिन होता है। इस दिन गुरु की पूजा की जाती है। पूरे भारत में यह पर्व बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। वैसे तो व्यास नाम के कई विद्वान हुए हैं परंतु व्यास ऋषि जो चारों वेदों के प्रथम व्याख्याता थे, आज के दिन उनकी पूजा की जाती है। हमें वेदों का ज्ञान देने वाले व्यास जी ही थे। अत- वे हमारे आदिगुरु हुए। उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए हमें अपने-अपने गुरुओं को व्यास जी का अंश मानकर उनकी पूजा करनी चाहिए। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करते थे तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु की पूजा किया करते थे और उन्हें यथाशक्ति दक्षिणा अर्पण किया करते थे। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए।

वेद व्यास जयंती

गुरु पूर्णिमा जगत गुरु माने जाने वाले वेद व्यास को समर्पित है। माना जाता है कि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ मास की पूर्णिमा को हुआ था। वेदों के सार ब्रह्मसूत्र की रचना भी वेदव्यास ने आज ही के दिन की थी। वेद व्यास ने ही वेद ऋचाओं का संकलन कर वेदों को चार भागों में बांटा था। उन्होंने ही महाभारत, 18 पुराणों व 18 उप पुराणों की रचना की थी जिनमें भागवत पुराण जैसा अतुलनीय ग्रंथ भी शामिल है। ऐसे जगत गुरु के जन्म दिवस पर गुरु पूर्णिमा मनाने की परंपरा है।

गुरुपूर्णिमा का महत्व

गुरु के प्रति नतमस्तक होकर कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है गुरुपूर्णिमा। गुरु के लिए पूर्णिमा से बढ़कर और कोई तिथि नहीं हो सकती। जो स्वयं में पूर्ण है, वही तो पूर्णत्व की प्राप्ति दूसरों को करा सकता है। पूर्णिमा के चंद्रमा की भांति जिसके जीवन में केवल प्रकाश है, वही तो अपने शिष्यों के अंतःकरण में ज्ञान रूपी चंद्र की किरणें बिखेर सकता है। इस दिन हमें अपने गुरुजनों के चरणों में अपनी समस्त श्रद्धा अर्पित कर अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करनी चाहिए। गुरु कृपा असंभव को संभव बनाती है। गुरु कृपा शिष्य के हृदय में अगाध ज्ञान का संचार करती है।

गुरु की महिमा

गुरु को गोविंद से भी ऊंचा कहा गया है। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को 'गुरु' कहा जाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है। 'व्यास' का शाब्दिक संपादक, वेदों का व्यास यानी विभाजन भी संपादन की श्रेणी में आता है। कथावाचक शब्द भी व्यास का पर्याय है। कथावाचन भी देश-काल-परिस्थिति के अनुरूप पौराणिक कथाओं का विश्लेषण भी संपादन है। भगवान वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, 18 पुराणों और उपपुराणों की रचना की। ऋषियों के बिखरे अनुभवों को समाजभोग्य बना कर व्यवस्थित किया। पंचम वेद 'महाभारत' की रचना इसी पूर्णिमा के दिन पूर्ण की और विश्व के सुप्रसिद्ध आर्ष ग्रंथ ब्रह्मसूत्र का लेखन इसी दिन आरंभ किया। तब देवताओं ने वेदव्यासजी का पूजन किया। तभी से व्यासपूर्णिमा मनायी जा रही है। ''तमसो मा ज्योतिगर्मय'' अंधकार की बजाय प्रकाश की ओर ले जाना ही गुरुत्व है। आगम-निगम-पुराण का निरंतर संपादन ही व्यास रूपी सद्गुरु शिष्य को परमपिता परमात्मा से साक्षात्कार का माध्यम है। जिससे मिलती है सारूप्य मुक्ति। तभी कहा गया- ''सा विद्या या विमुक्तये।'' आज विश्वस्तर पर जितनी भी समस्याएं दिखाई दे रही हैं, उनका मूल कारण है गुरु-शिष्य परंपरा का टूटना। श्रद्धावाल्लभते ज्ञानम। आज गुरु-शिष्य में भक्ति का अभाव गुरु का धर्म ''शिष्य को लूटना, येन केन प्रकारेण धनार्जन है'' क्योंकि धर्मभीरुता का लाभ उठाते हुए धनतृष्णा कालनेमि गुरुओं को गुरुता से पतित करता है। यही कारण है कि विद्या का लक्ष्य 'मोक्ष' न होकर धनार्जन है। ऐसे में श्रद्धा का अभाव स्वाभाविक है। अन्ततः अनाचार, अत्याचार, व्यभिचार, भ्रष्टाचारादि कदाचार बढ़ा। व्यासत्व यानी गुरुत्व अर्थात् संपादकत्व का उत्थान परमावश्यक है।

व्रत और विधान

इस दिन (गुरु पूजा के दिन) प्रातःकाल स्नान पूजा आदि नित्य कर्मों से निवृत्त होकर उत्तम और शुद्ध वस्त्र धारण कर गुरु के पास जाना चाहिए। गुरु को ऊंचे सुसज्जित आसन पर बैठाकर पुष्पमाला पहनानी चाहिए। इसके बाद वस्त्र, फल, फूल व माला अर्पण कर तथा धन भेंट करना चाहिए। इस प्रकार श्रद्धापूर्वक पूजन करने से गुरु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। गुरु के आशीर्वाद से ही विद्यार्थी को विद्या आती है। उसके हृदय का अज्ञानता का अन्धकार दूर होता है। गुरु का आशीर्वाद ही प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी, ज्ञानवर्धक और मंगल करने वाला होता है। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी द्वारा रचे हुए ग्रंथों का अध्ययन-मनन करके उनके उपदेशों पर आचरण करना चाहिए। इस दिन केवल गुरु (शिक्षक) ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं।

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

प्रातः घर की सफाई, स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके तैयार हो जाएं। घर के किसी पवित्र स्थान पर पटिए पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 12-12 रेखाएं बनाकर व्यास-पीठ बनाना चाहिए। फिर हमें गुरुपरंपरासिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये मंत्र से पूजा का संकल्प लेना चाहिए। तत्पश्चात दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ना चाहिए। फिर व्यासजी, ब्रह्माजी, शुकदेवजी, गोविंद स्वामीजी और शंकराचार्यजी के नाम, मंत्र से पूजा का आवाहन करना चाहिए। अब अपने गुरु अथवा उनके चित्र की पूजा करके उन्हें यथा योग्य दक्षिणा देना चाहिए।

आषाढ़ की पूर्णिमा को ही क्यों

आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मानने का क्या राज़ है? धर्म जीवन को देखने का काव्यात्मक ढंग है। सारा धर्म एक महाकाव्य है। अगर यह तुम्हें खयाल में आए, तो आषाढ़ की पूर्णिमा बड़ी अर्थपूर्ण हो जाएगी। अन्यथा आषाढ़ में पूर्णिमा दिखाई भी न पड़ेगी। बादल घिरे होंगे, आकाश खुला न होगा। और भी प्यारी पूर्णिमाएं हैं, शरद पूर्णिमा है, उसको क्यों नहीं चुन लिया? लेकिन चुनने वालों का कोई खयाल है, कोई इशारा है। वह यह है कि गुरु तो है पूर्णिमा जैसा, और शिष्य है आषाढ़ जैसा। शरद पूर्णिमा का चांद तो सुंदर होता है, क्योंकि आकाश खाली है। वहां शिष्य है ही नहीं, गुरु अकेला है। आषाढ़ में सुंदर हो, तभी कुछ बात है, जहां गुरु बादलों जैसा घिरा हो शिष्यों से। शिष्य सब तरह के हैं, जन्मों-जन्मों के अंधेरे को लेकर आ छाए हैं। वे अंधेरे बादल हैं, आषाढ़ का मौसम हैं। उसमें भी गुरु चांद की तरह चमक सके, उस अंधेरे से घिरे वातावरण में भी रोशनी पैदा कर सके, तो ही गुरु है। इसलिए आषाढ़ की पूर्णिमा! वह गुरु की तरफ भी इशारा है और उसमें शिष्य की तरफ भी इशारा है। और स्वभावतः दोनों का मिलन जहां हो, वहीं कोई सार्थकता है।

दक्षिण अफ्रीका में बार में गोलीबारी में 14 व्यक्तियों की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में जोहानिसबर्ग के सोवेटो टाउनशिप स्थित एक बार में सामूहिक गोलीबारी में 14 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि वे उन रिपोर्ट की जांच कर रहे हैं कि शनिवार देर रात एक मिनीबस टैक्सी में कुछ लोगों का एक समूह आया और उसने बार में कुछ संरक्षकों पर गोलीबारी की। पुलिस ने रविवार सुबह शवों को हटाया और जांच शुरू की कि सामूहिक गोलीबारी क्यों हुई। गंभीर रूप से घायल तीन व्यक्तियों और घायल एक अन्य व्यक्ति को क्रिस हानी बरगवनथ अस्पताल ले जाया गया है। गौतेंग प्रांत के पुलिस आयुक्त लेफ्टिनेंट जनरल इलियास मावेला ने कहा कि घटनास्थल पर मिले कारतूसों की संख्या से संकेत मिलता है कि ये लोगों का एक समूह था, जिन्होंने संरक्षकों को गोली मारी।

मावेला ने बताया, ''प्राथमिक जांच से पता चलता है कि वहां मौजूद लोग यहां लाइसेंस-धारक बार में जश्न मना रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''अचानक इन लोगों ने गोलियों की आवाज सुनी और बार से बाहर निकलने की कोशिश की। इस घटना के पीछे मकसद क्या है और इन लोगों को क्यों निशाना बनाया गया इस बारे में फिलहाल हमारे पास पूरी जानकारी नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''आप देख सकते हैं कि 'हाई कैलिबर' बन्दूक का इस्तेमाल किया गया है और वे बेतरतीब ढंग से गोलीबारी कर रहे थे। आप देख सकते हैं कि ये सभी लोग बार से बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

अफगानिस्तान, लीबिया समेत कई देशों में मनाया जा रहा ईद-उल-अजहा का पर्व

मीना (सऊदी अरब)। अफगानिस्तान, लीबिया, मिस्र, केन्या और यमन समेत दुनिया के कई देशों में शनिवार को ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व मनाया जा रहा है। इंडोनेशिया, भारत और पाकिस्तान सहित एशिया के ज्यादातर देशों में रविवार को बकरीद मनाई जायेगी।

खुशी के इस त्योहार पर भोजन की विविधता एक मुख्य आकर्षण होता है, लेकिन यूक्रेन में रूस के हमले के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में हुई वृद्धि का जश्न पर असर देखा जा रहा है। उत्तरी अफगानिस्तान में मजार-ए-शरीफ के एक मवेशी बाजार के मोहम्मद नादिर ने कहा, ''हर कोई अल्लाह के नाम पर एक जानवर की कुर्बानी देना चाहता है, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि वे गरीब हैं।'' यूक्रेन युद्ध के कारण गेहूं और मांस की कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं। गाजा पट्टी में एक पशु बाजार में खरीदारों की संख्या कम थी। विक्रेताओं ने कहा कि हाल के हफ्तों में भेड़ के चारे की कीमत चार गुना बढ़ गई है। चार दिवसीय त्योहार पर बहुत से मुस्लिम पारंपरिक तौर पर पशुओं की कुर्बानी देने के बाद उसके मांस को परिवार, दोस्तों और गरीबों में वितरित करते हैं।

अमेरिका और चीन के बीच तनाव खत्म करने के लिए शीर्ष नेताओं ने मुलाकात की

नुसा दुआ (इंडोनेशिया)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने वाशिंगटन और बीजिंग के बीच हाल में बढ़ी कड़वाहट को खत्म करने या कम से कम करने की कवायद के तौर पर शनिवार को चीन के अपने समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। ब्लिंकन और वांग यी इंडोनेशिया के बाली में बातचीत कर रहे हैं। इससे एक दिन पहले वे 20 अमीर और बड़े विकासशील देशों के समूह के शीर्ष राजनयिकों की बैठक में शामिल हुए, जिसमें यूक्रेन में रूस के युद्ध और इसके असर से निपटने पर आम सहमति नहीं बन पायी।

वांग और ब्लिंकन के शुल्क, व्यापार और मानवाधिकार से लेकर ताइवान तथा दक्षिण चीन सागर संबंधी विवाद जैसे मुद्दों पर चर्चा करने की संभावना है। जब दोनों नेता बंद कमरे में बैठक के लिए जा रहे थे तब ब्लिंकन ने कहा, ''अमेरिका और चीन के बीच जटिल तथा परिणामी संबंधों की स्थिति में काफी मुद्दों पर बात करने की आवश्यकता है और मैं रचनात्मक एवं सार्थक बातचीत के लिए उत्साहित हूं।'' वहीं, वांग ने कहा, ''दोनों देशों के लिए सामान्य बातचीत करना और यह सुनिश्चित करने के लिए साथ मिलकर काम करना आवश्यक है कि यह रिश्ता सही दिशा में आगे बढ़ता रहेगा।'' अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि उन्हें ब्लिंकन और वांग के बीच वार्ता से कोई बड़ी कामयाबी मिलने की उम्मीद नहीं है।

शी चिनफिंग ने आबे के निधन पर शोक जताया, चीन-जापान संबंधों में सुधार के प्रयासों की सराहना की

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे शिंजो आबे के निधन पर शनिवार को शोक जताया और चीन-जापान संबंधों को बेहतर बनाने में उनके सकारात्मक योगदान की सराहना की। आबे (67)की शनिवार को पश्चिमी जापान के नारा में एक रेलवे स्टेशन के निकट चुनाव प्रचार कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चीन के सरकारी मीडिया ने शनिवार को खबर दी कि शी ने आबे के निधन पर चीन सरकार, देशवासियों और अपनी ओर से शोक व्यक्त किया और आबे के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आबे ने प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए चीन-जापान संबंधों को सुधारने के प्रयास किए और इस प्रयास में सकारात्मक योगदान दिया। शी ने कहा कि नए युग की जरूरतों को पूरा करने वाले चीन-जापान संबंध स्थापित करने को लेकर आबे के साथ उनकी एक महत्वपूर्ण आम सहमति बन गई थी। शी ने कहा कि वह चीन-जापान संबंधों के विकास के लिये जापान के मौजूदा प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ काम करते रहेंगे। सरकार द्वारा संचालित चाइना डेली की खबर के अनुसार शी और उनकी पत्नी पेंग लियुआन ने आबे की पत्नी अकी आबे को शोक संदेश भी भेजा। चीन और जापान के संबंध अतीत में तनावपूर्ण रहे हैं। दोनों के बीच दो युद्ध हो चुके हैं जिसमें से एक 1894-95में और दूसरा द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1934-45के बीच।

इस्लामाबाद में वरिष्ठ पाकिस्तानी पत्रकार पर हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सरकारी प्रतिष्ठानों की आलोचना करने वाले मीडियाकर्मियों पर हमलों के बढ़ते मामलों के बीच अज्ञात लोगों ने एक वरिष्ठ पाकिस्तानी पत्रकार पर उसके कार्यालय के बाहर यहां शनिवार को हमला कर दिया। 'बोल टीवी' के प्रस्तोता सामी इब्राहिम इस्लामाबाद के मेलोडी इलाके में अपने कार्यालय के बाहर खड़े थे, तभी करीब तीन लोगों ने उन पर हमला कर दिया। इब्राहिम ने एक वीडियो क्लिप में घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि पीछे से उन पर हमला करने कोई आया।

उन्होंने कहा कि हमलावरों ने ''हरे रंग की पंजीकरण प्लेट'' वाली एक कार में बैठकर फरार होने से पहले घटना का वीडियो भी बनाया। अधिकारियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले राज्य के स्वामित्व वाले वाहनों की पंजीकरण प्लेट के लिए हरे रंग का इस्तेमाल किया जाता है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। पाकिस्तान में संघीय जांच एजेंसी ने सोशल मीडिया मंचों पर ''सरकार विरोधी वीडियो और बयान'' प्रसारित करने के मामले में इब्राहिम के खिलाफ हाल में जांच शुरू की है। इससे पहले इसी महीने, अज्ञात हमलावरों ने वरिष्ठ पत्रकार अयाज आमिर पर उस समय हमला कर दिया था, जब वह लाहौर स्थित अपने घर वापस जा रहे थे। समाचार वेबसाइट 'आईन्यूज़' के मुख्य संपादक अहमद शाहीन पर जून में अज्ञात लोगों ने हमला किया था।

ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री पद की दौड़ में ऋषि सुनक सबसे आगे

लंदन। ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी का नया नेता और देश का अगला प्रधानमंत्री चुने जाने के लिए अपना अभियान औपचारिक रूप से शुरू करने वाले भारतीय मूल के ऋषि सुनक नेतृत्व संभालने की दौड़ में शनिवार को सबसे आगे नजर आए।

बहरहाल, इस दौड़ में कई अन्य नेता शामिल हो गए हैं। 42 वर्षीय सुनक इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के दामाद हैं। हाउस ऑफ कॉमन्स में सत्ता पक्ष के नेता मार्क स्पेंसर, कंजर्वेटिव पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ओलिवर डाउडेन और पूर्व कैबिनेट मंत्री लियाम फॉक्स सहित कई वरिष्ठ टोरी सांसदों ने सार्वजनिक रूप से उनका समर्थन किया है। सुनक के बाद ब्रिटेन के चांसलर बने इराकी मूल के नाधिम जहावी और परिवहन मंत्री ग्रांट शाप्स ने भी शनिवार को अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। कंजर्वेटिव पार्टी के एक बड़े समूह का मानना है कि सुनक विभाजित सत्तारूढ़ दल को एकजुट करने के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार हैं और वह पूर्व चांसलर के रूप में ब्रिटेन के सामने खड़ी बड़ी आर्थिक चुनौतियों से निपटने में सबसे अधिक सक्षम हैं। सुनक की स्थिति इसलिए और मजबूत हो गई है, क्योंकि कंजर्वेटिव पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद के संभावित दावेदारों में शामिल ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वॉलेस ने खुद को इस दौड़ से आधिकारिक तौर पर बाहर कर लिया है।

करांची में बाढ़ के पानी के बीच से निकलते हुए वाहन।

कोविड-19 महामारी के दौरान 70प्र. वरिष्ठ नागरिकों को उचित स्वास्थ्य सेवा नहीं मिली : सर्वेक्षण

नयी दिल्ली। कोविड-19 महामारी के दौरान लगभग 70 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिकों को उचित स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलीं। इस दौरान 57 प्रतिशत को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा। मैक्स समूह की फर्म अंतरा के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई।

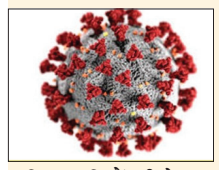

अंतरा की 2013 में शुरुआत हुई थी और यह मैक्स इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। अंतरा वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल जरूरतों के लिए एकीकृत सेवा प्रदाता है। अंतरा ने शनिवार को एक बयान में कहा कि सर्वेक्षण में 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 2,100 वरिष्ठ नागरिकों की राय ली गई। शहरी क्षेत्रों पर आधारित यह शोध मार्च से मई के अंत तक ढाई महीने की अवधि में एयॉन इनसाइट्स मार्केट रिसर्च के सहयोग से किया गया था। सर्वेक्षण में 53 प्रतिशत लोगों ने कहा कि बीमारी को लेकर उनकी शीर्ष चिंताओं में कोविड-19 महामारी शामिल थी। महामारी से बचने के लिए लगभग 72 प्रतिशत ने स्व-निगरानी, संतुलित आहार का विकल्प चुना और 55 प्रतिशत ने पेशेवर चिकित्सा सहायता लेने के बजाय घरेलू उपचार पर भरोसा किया।

रूस को चीन का समर्थन रिश्तों को जटिल बना रहा : अमेरिका के विदेश मंत्री

नुसा दुआ (इंडोनेशिया) (एजेंसी)।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से शनिवार को कहा कि यूक्रेन में रूस के युद्ध के लिए चीन का समर्थन ऐसे समय में अमेरिका-चीन के संबंधों को जटिल बना रहा है जब कई अन्य मुद्दों पर दोनों देशों के बीच मतभेद हैं। चीन के विदेश मंत्री ने दोनों देशों के संबंधों में तनाव के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि चीन को खतरा मानने की गलत धारणा से अमेरिकी नीति बेपटरी हो गई है। वांग ने कहा, ''बहुत से लोग मानते हैं कि अमेरिका 'चीन-फोबिया' से पीड़ित है।

एक बयान में उन्होंने कहा, ''अगर इस तरह खतरे की धारणा को बढ़ावा दिया जाता है तो चीन के प्रति अमेरिकी नीति मृत हो जाएगी जिसका कोई रास्ता नहीं होगा।'' अक्टूबर के बाद से आमने-सामने की पहली बैठक में ब्लिंकन और वांग ने इंडोनेशिया के बाली में पांच घंटे तक वार्ता की। ब्लिंकन ने कहा, ''रूस के साथ चीन के जुड़ाव को लेकर हम चिंतित हैं।'' उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्ध को लेकर चीन का रुख स्वाभाविक नहीं है। चीनी पक्ष द्वारा जारी बयान में कहा गया कि दोनों विदेश मंत्रियों ने यूक्रेन को लेकर प्रमुखता से बातचीत की, लेकिन इसके विवरण साझा नहीं किए गए। एक दिन पहले, जी-20 देशों के विदेश मंत्री यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक स्वर में आह्वान करने के वास्ते सहमत नहीं हो पाए। वहीं, ब्लिंकन ने कहा कि रूस जी-20 की बैठक से अलग-थलग और अकेले पड़ गया है क्योंकि इसमें शामिल हुए अधिकतर देशों ने यूक्रेन युद्ध का विरोध किया है। ब्लिंकन ने कहा, ''इस बारे में मजबूत भावना है कि रूस अलग-थलग पड़ चुका है।'' अमेरिकी विदेश मंत्री ने उल्लेख किया कि रूस के विदेश मंत्री बैठक से बहुत पहले रवाना हो गए क्योंकि वह अपने समकक्षों की राय नहीं सुनना चाहते होंगे। चीन के मुद्दे पर ब्लिंकन ने कहा कि उन्होंने और वांग ने शुल्क, व्यापार और मानवाधिकार से लेकर ताइवान तथा दक्षिण चीन सागर संबंधी विवाद जैसे मुद्दों पर चर्चा की। वांग ने अमेरिका से चीन से सामनों के आयात पर जल्द से जल्द शुल्क हटाने, देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना बंद करने और मानवाधिकारों तथा लोकतंत्र के नाम पर उसके हितों को नुकसान पहुंचाने से परहेज करने का आह्वान किया। वांग ने आरोप लगाया कि अमेरिका ताइवान पर अपने कदमों के जरिए भड़कावे का काम कर रहा है। ठीक दो दिन पहले दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों ने डिजिटल माध्यम से बैठक में ताइवान पर बातचीत की थी। ब्लिंकन ने यह भी कहा कि उन्होंने तिब्बत और पश्चिमी शिनजियांग में अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों के मुद्दे को भी उठाया। बैठक से पहले अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि उन्हें ब्लिंकन और वांग के बीच वार्ता से कोई बड़ी कामयाबी मिलने की उम्मीद नहीं है। हालांकि उन्होंने आशा जताई कि बातचीत से संवाद का रास्ता खुला रह सकता है और जटिल मुद्दों पर दोनों देश आगे बातचीत कर सकते हैं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति को अज्ञात स्थान पर ले जाया गया : रिपोर्ट

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका में शनिवार को होने वाले व्यापक विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने शुक्रवार को अपना आधिकारिक आवास छोड़ दिया था और वह फिलहाल कहां पर हैं, इसकी जानकारी सामने नहीं आ सकी है। अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहे द्वीपीय देश में मार्च से ही राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे हजारों प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को कोलंबो स्थित उनके आधिकारिक आवास पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों के अप्रैल की शुरुआत में राष्ट्रपति कार्यालय पर कब्जा करने के इरादे से उसके प्रवेश द्वार तक पहुंचने के बाद से राजपक्षे राष्ट्रपति आवास को अपने आवास और कार्यालय के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे।

सूत्रों के मुताबिक, शनिवार के विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर राजपक्षे को शुक्रवार को ही उनके आवास से हटा दिया गया था और वह फिलहाल कहां पर हैं, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। इस बीच, प्रदर्शनकारी अब राष्ट्रपति के कार्यालय और आधिकारिक आवास, दोनों पर कब्जा जमा चुके हैं। 'न्यूज फर्स्ट' चैनल ने शनिवार को प्रसारित रिपोर्ट में दावा किया कि कोलंबो बंदरगाह पर खड़े श्रीलंकाई नौसेना के गजबाहू जहाज पर सामान भेजे जाने की खबरें सामने आई हैं। चैनल के मुताबिक, 'कोलंबो बंदरगाह के हार्बर मास्टर ने कहा कि एक समूह एसएलएनएस सिंदुराला और एसएलएनएस गजबाहू पर सवार हुआ तथा बंदरगाह से निकल गया। हालांकि, वह जहाज में सवार होने वाले लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकते, न ही यह बता सकते हैं कि वे कहां गए हैं।' इससे पहले, सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में वीआईपी वाहनों के एक काफिले को कोलंबो अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की तरफ जाते हुए देखा गया, जहां श्रीलंका एयरलाइंस का एक विमान इंतजार में खड़ा था। उधर, राष्ट्रपति राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर फोर्ट इलाके में बड़ी संख्या में जुटे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प में दो पुलिसकर्मियों सहित कम से कम 30 लोगों के घायल होने की खबर हैं। राष्ट्रपति भवन की दीवारों पर चढ़ने वाले प्रदर्शनकारी किसी संपत्ति को नुकसान पहुंचाए या हिंसा के कृत्यों में शामिल हुए बिना उसमें डटे हुए हैं।

श्रीलंका के सेना प्रमुख ने देश में शांति बनाये रखने के लिए लोगों से सहयोग मांगा

कोलंबो। (एजेंसी)।

श्रीलंकाई सेना प्रमुख जनरल शैवेंद्र सिल्वा ने देश में शांति बनाए रखने के लिए लोगों से समर्थन मांगते हुए रविवार को कहा कि मौजूदा राजनीतिक संकट का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान का अवसर अब उपलब्ध है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने कुछ घंटे पहले ही 13 जुलाई को पद छोड़ने की सहमति जतायी।

श्रीलंका में आर्थिक संकट को लेकर राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी शनिवार को मध्य कोलंबो के कड़ी सुरक्षा वाले फोर्ट इलाके में राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास में घुस गए थे। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के इस्तीफे की पेशकश किये जाने के बाद भी प्रदर्शनकारियों ने उनके निजी आवास में आग लगा दी। श्रीलंका के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल सिल्वा ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि मौजूदा संकट को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने का अवसर उत्पन्न हुआ है।

'कोलंबो गजट न्यूज' पोर्टल ने बताया कि सिल्वा ने श्रीलंका के सभी लोगों से देश में शांति बनाए रखने के लिए सशस्त्र बलों और पुलिस का समर्थन करने का अनुरोध किया। यह बयान शनिवार को गाले फेस और फोर्ट तथा प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे के निजी आवास के पास हुई हिंसा के बाद जारी किया गया। इन घटनाओं के बाद राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने इस्तीफा देने की पेशकश की है।

नर्सिंग होम पर हमले के लिए रूस के साथ यूक्रेन भी जिम्मेदार : संयुक्त राष्ट्र

वाशिंगटन (एजेंसी)।

रूस द्वारा फरवरी के अंत में यूक्रेन पर आक्रमण किये जाने के करीब दो सप्ताह बाद क्रेमलिन समर्थित विद्रोहियों ने पूर्वी लुहांस्क क्षेत्र के एक नर्सिंग होम पर हमला किया था। संयुक्त राष्ट्र ने इस हमले के लिए रूस के साथ-साथ यूक्रेन को भी समान रूप से जिम्मेदार ठहराया है। इस हमले की वजह से कई मरीज बिना बिजली-पानी के नर्सिंग होम की इमारत में फंस गए थे।

उल्लेखनीय है कि 11 मार्च को यूक्रेन की राजधानी कीव से 580 किलोमीटर दक्षिण पूर्व के गांव स्टारा क्रास्न्यांका स्थित नर्सिंग होम पर हमला किया गया था। यूक्रेन के अधिकारियों ने रूस पर करीब 50 लोगों की हत्या करने का आरोप लगाया था। इस हमले को युद्ध के दौरान बरती गई क्रूरता बताया गया और यूक्रेन के अधिकारियों ने घटना के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र की एक नयी रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले के लिए यूक्रेन की सशस्त्र सेनाएं समान रूप से जिम्मेदार हैं, क्योंकि हमले से कुछ दिन पहले उन्होंने नर्सिंग होम की इमारत के अंदर से मोर्चा संभाला था जिसने इमारत को दुश्मन सेना के निशाने पर लाने का काम किया। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि नर्सिंग होम में मौजूद 71 मरीजों में कम से कम 22 बचने में सफल रहे, लेकिन मृतकों की वास्तविक संख्या अब भी अज्ञात है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय अपनी रिपोर्ट में इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा है कि यूक्रेनी सैनिक या मॉस्को समर्थित अलगाववादी लड़ाकों में से किसने युद्ध अपराध किया था। लेकिन संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने कहा कि नर्सिंग होम पर किया गया हमला मानवाधिकार कार्यालय के लिए चिंता का विषय है। इस युद्ध में अमेरिका, यूक्रेन का सहयोग कर रहा है और वह रूस पर आम नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाता रहा है। अमेरिका रक्षा मंत्रालय के पूर्व अधिकारी और कई अंतरराष्ट्रीय युद्ध अपराधों की जांच का अनुभव रखने वाले डेविड क्रेन ने कहा कि युद्ध के मैदान में यूक्रेन को भी अंतरराष्ट्रीय कानूनों का अनुपालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने नर्सिंग होम में रहने वालों और कर्मचारियों को वहां से नहीं निकालकर संभवतः सैन्य संघर्ष के नियमों का उल्लंघन किया है। क्रेन ने कहा, ''मौलिक सिद्धांत है कि आम नागरिकों को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। भले कोई भी कारण हो। लेकिन यूक्रेनी सेना ने उन लोगों को वहां रखा जो प्राणों के लिए घातक क्षेत्र था। आप ऐसा नहीं कर सकते।

शिंजो आबे की हत्या से जापान में हाथ से निर्मित बंदूकों पर फिर उठने लगे सवाल

तो यो। (एजेंसी)।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या ने देश को हिलाकर रख दिया है और इस घटना से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। भीड़ से निकले एक व्यक्ति ने हाथ से बनी बंदूक से देश के सबसे दिग्गज नेताओं में शुमार आबे को गोली मार दी। यह बंदूक इतने बेतरतीब तरीके से बनी थी कि इसे टेप से जोड़ा गया था। पश्चिमी जापान के नारा शहर में शुक्रवार को सत्तारूढ़ पार्टी के प्रचार के दौरान आबे को मारने के लिए इस्तेमाल की गई 40 सेंटीमीटर लंबी बंदूक किसी नौसिखिये द्वारा निर्मित लग रही थी। यह टेप से लिपटे पाइप से बनी एक ऐसी प्रणोदक नजर आ रही थी, जो विस्फोटकों से भरी हुई थी।

पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध के नारा स्थित एक कमरे वाले मकान की तलाशी के दौरान ऐसी कई और बंदूकें बरामद हुईं। पारंपरिक हथियारों के विपरीत हस्तनिर्मित बंदूकों का पता लगाना व्यावहारिक रूप से असंभव होता है, जिससे जांच मुश्किल हो जाती है। जापान में इस तरह के हथियारों का इस्तेमाल कम ही किया जाता है। देश में होने वाले ज्यादातर हमलों में या तो पीड़ित को चाकू घोंपने या वाहन से कुचलने या फिर गैसोलीन छिड़ककर आग लगाने जैसे तरीके अपनाए जाते रहे हैं। हमलावर तेतसुया यामागामी ने संभवतः सख्त बंदूक नियंत्रण कानून के चलते हस्तनिर्मित हथियार चुना। वह जापान की नौसेना का पूर्व सदस्य है और हथियार बनाने व उनका इस्तेमाल करने की कला से वाकिफ है। आबे पर हमले के बाद उसे घटनास्थल से ही गिरफ्तार कर लिया गया था। अपराध विशेषज्ञों का कहना है कि इंटरनेट पर बंदूक बनाने के दिशा-निर्देश आसानी से उपलब्ध हैं और 3-डी प्रिंटर के जरिये भी बंदूक तैयार की जा सकती है। कुछ विश्लेषकों ने आबे पर हुए हमले को ''लोन-वोल्फ आतंकवाद'' करार दिया है। ऐसे मामलों में साजिशकर्ता अकेले ही काम करता है, ज्यादातर मामलों में किसी राजनीतिक विचारधारा से प्रभावित होकर, जिससे अपराध का पहले से पता लगाना काफी मुश्किल हो जाता है। हालांकि, आबे की हत्या के पीछे का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है। जापानी मीडिया में प्रकाशित खबरों में दावा किया गया है कि संदिग्ध के मन में एक धार्मिक समूह के प्रति घृणा उत्पन्न हो गई थी, जिससे उसकी मां इस कदर जुड़ी हुई थी कि उसके परिवार को आर्थिक दुश्वारियां झेलनी पड़ी थीं। खबरों में धार्मिक समूह का नाम जाहिर नहीं किया गया है।

हालांकि, बताया जा रहा है कि आबे भी इस समूह के प्रति झुकाव रखते थे।

जापान ने अतीत में भी कई नेताओं पर हमले देखे हैं। 1960 में आबे के दादा और तत्कालीन प्रधानमंत्री नोबुसुके किशी पर चाकू से हमला हुआ था, लेकिन वह बच गए थे। 1975 में जब पूर्व प्रधानमंत्री इसाकु सातो के अंतिम संस्कार में तत्कालीन प्रधानमंत्री टेको मिकी पर हमला किया गया था, तब जापान ने अमेरिकी खुफिया सेवा की तर्ज पर एक सुरक्षा दल की स्थापना की थी। जापान में इंटरनेशनल बॉडीगार्ड एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी हिदेतो टेड ओसानाई और अन्य विशेषज्ञों का मानना है कि जापानियों ने सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण रोकथाम मानसिकता के बजाय केवल सुरक्षा दस्ते के गठन जैसी सतही चीजें सीखी होंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गोवा में लग सकता है कांग्रेस को बड़ा झटका, पार्टी के कई विधायक भाजपा में शामिल होने को तैयार!

नई दिल्ली । महाराष्ट्र में सत्ता हाथ से जाने के बाद गोवा में भी कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। गोवा में कांग्रेस विधायकों में टूट की आशंका दिखाई दे रही है। सूत्रों ने दावा किया है कि पार्टी के 9 विधायक भाजपा में शामिल हो सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस की ओर से किसी भी टूट से साफ तौर पर इंकार किया जा रहा है। गोवा में पार्टी के 11 विधायक हैं जिनमें से नौ के भाजपा में शामिल होने की अटकलें जारी है। आपको बता दें कि सोमवार से गोवा में विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। उससे पहले गोवा में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

दूसरी ओर गोवा के प्रदेश प्रभारी दिनेश गुंडु राव ने कहा कि कल हमने गोवा में सीएलपी की बैठक की थी। कांग्रेस पार्टी के सभी विधायक बरकरार हैं लेकिन बीजेपी हमारे विधायकों को हथियाने और डराने-धमकाने की कोशिश कर रही है। लेकिन सभी विधायक हमारे साथ हैं। इन सब के बीच दावा किया जा रहा है कि कांग्रेस विधायक की बैठक होटल में चल रही है जिसमे 7 विधायक शामिल हैं। वहीं कांग्रेस विधायक एलेक्सो सिक्वेरा ने कहा कि मुझे आलाकमान ने नहीं बुलाया था, सिर्फ शिष्टाचार मुलाकात के लिए यहां बुलाया था। (विधायकों के बीजेपी छोड़ने को लेकर) अफवाहों का दौर खत्म हो गया है, क्या किया जाए। मैं खुद की पुष्टि कर सकता हूं, किसी और के लिए नहीं कह सकता।

भारत में कोरोना वायरस के 18,257 नए मामले, 42 मरीजों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 18,257 नए मामले सामने आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,36,22,651 हो गई जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,28,690 हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 42 और मरीजों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 5,25,428 हो गयी है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या में एक दिन में 3,662 मामलों की वृद्धि दर्ज की गयी है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.30 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.50 फीसदी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार संक्रमण की दैनिक दर 4.22 प्रतिशत दर्ज की गयी जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 4.08 प्रतिशत है। इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,29,68,533 हो गयी जबकि मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है। देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 198.76 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार चले गए थे।

दिल्ली में परिसीमन आयोग का गठन निगम चुनाव टालने के लिए भाजपा का एक और पैंतरा: आप

नई दिल्ली । नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली के लिए परिसीमन आयोग का गठन करना महज एक दिखावा है। पार्टी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में नगर निगम चुनाव टालने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार का यह एक और 'पैंतरा' है। 'आप' ने कहा कि गृह मंत्रालय, संशोधित दिल्ली निगर निगम अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, नगर निगम वार्ड की कुल संख्या निर्धारित करने से पहले परिसीमन आयोग का गठन नहीं कर सकता। पार्टी ने कहा कि केंद्र का यह कदम 'अवैध' है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, 'हमें खुशी है कि केंद्र सरकार ने एमसीडी के वार्ड परिसीमन के लिए एक समिति का गठन कर दिया। लेकिन दिल्ली में कितने वार्ड होंगे, इसका कोई आदेश नहीं दिया। फिर ये समिति काम कैसे करेगी?' 'आप' के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने परिसीमन आयोग के गठन को दिखावा करार देते हुए कहा कि केंद्र को पहले वार्ड की कुल संख्या तय करनी होगी। इस घटनाक्रम के संबंध में पूछे जाने पर भारद्वाज ने कहा, 'तभी (गृह मंत्रालय के) इस आदेश का कोई मतलब होगा।' उन्होंने कहा, 'वार्ड की कुल संख्या निर्धारित करने के पहले यह आदेश महज दिखावा है। परिसीमन की प्रक्रिया भी एक दिखावा है।' पार्टी की विधायक आतिशी ने कहा कि संशोधित दिल्ली नगर निगम अधिनियम में 'स्पष्ट लिखा है' कि किसी भी हालत में कुल सीटों की संख्या 250 से ज्यादा नहीं होनी चाहिए और नगर निगम की स्थापना के समय सीटों की संख्या का निर्धारण केंद्र सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा नीत केंद्र सरकार एमसीडी के चुनाव टालने के लिए 'एक के बाद एक पैंतरे आजमा' रही है ताकि भाजपा जब तक चाहे नगर निगम पर कब्जा बनाये रख सके।

कानून मंत्री किरेन रीजीजू बोले- भारतीय अदालतों में करीब पांच करोड़ मामले लंबित

औरंगाबाद (महाराष्ट्र)। कानून एवं न्याय मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को यहां कहा कि देश की अदालतों में करीब पांच करोड़ मामले लंबित हैं तथा इस सिलिसले में कोई कदम नहीं उठाया गया तो यह संख्या और बढ़ जाएगी। औरंगाबाद में महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एमएनएलयू) के पहले दीक्षांत समारोह में मंत्री ने आम लोगों को वकीलों की सेवा वहनीय दर पर नहीं मिलने के बारे में भी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा, ''भारतीय न्यायपालिका की गुणवत्ता दुनिया भर में प्रसिद्ध है। दो दिन पहले मैं लंदन में था, जहां मैं न्यायपालिका से जुड़े लोगों से मिला। वे सभी भारतीय न्यायपालिका के लिए इसी तरह के विचार और बेहद सम्मान रखते हैं। उच्चतम न्यायालय के निर्णय का अक्सर ब्रिटेन में संदर्भ दिया जाता है।'' देश में लंबित मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए रीजीजू ने कहा, ''जब मैंने कानून मंत्री के रूप में पदभार संभाला था तब चार करोड़ से कुछ कम मामले लंबित थे। आज, यह पांच करोड़ के करीब है। यह हम सबके लिए बहुत चिंता का विषय है।'' कानून मंत्री ने कहा कि यह स्थिति न्याय प्रदान करने में किसी कमी या सरकार से समर्थन की कमी के कारण नहीं आई है, बल्कि ''यदि कुछ ठोस कदम नहीं उठाए गए तो लंबित मामलों में वृद्धि होना तय है।'' रीजीजू ने कहा, ''ब्रिटेन में प्रत्येक न्यायाधीश एक दिन में अधिकतम तीन से चार मामलों में निर्णय देते हैं। लेकिन, भारतीय अदालतों में प्रत्येक न्यायाधीश औसतन प्रतिदिन 40 से 50 मामलों की सुनवाई करते हैं। अब मुझे एहसास हुआ कि वे अतिरिक्त समय बैठते हैं। लोग गुणवत्तापूर्ण फैसले की उम्मीद करते हैं। न्यायाधीश भी इंसान होते हैं।'' मीडिया में न्यायाधीशों के बारे में की जाने वाली टिप्पणियों का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा, ''कभी-कभी, मैं न्यायाधीशों के बारे में सोशल मीडिया और प्रिंट मीडिया में टिप्पणियां देखता हूं। यदि आप गौर करें कि एक न्यायाधीश को कितना काम करना होता है, तो यह अन्य सभी के लिए अकल्पनीय है।'' उन्होंने कहा, ''सोशल मीडिया के युग में मुद्दे की गहराई में जाए बिना हर किसी की अपनी राय होती है। लोग तुरंत निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं और न्यायाधीशों पर व्यक्तिगत टीका-टिप्पणी करते हैं।''

उत्तर प्रदेश में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, ललितपुर और संभल जिलों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से शनिवार को पांच लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश शासन के राहत आयुक?त कार्यालय से शनिवार की शाम जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, शनिवार को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से गोरखपुर में दो, ललितपुर में दो और संभल में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा, ललितपुर में आठ व्यक्ति घायल हो गये हैं। बयान में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के मुख?यमंत्री योगी आदित?यनाथ ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये सहायता राशि देने के निर्देश दिये हैं। घायलों का उपचार किया जा रहा है। बयान के अनुसार, जम्मू कश्मीर में अमरनाथ गुफा के पास शुक्रवार को बादल फटने की घटना में फंसे या लापता लोगों के बारे में जानकारी हासिल करने और सहायता के लिए राहत आयुक्त कार्यालय 24 घंटे राज्य स्तरीय आपातकालीन संचालन केंद्र चला रहा है और केंद्र के टोल फ्री नंबर 1070 पर किसी भी प्रकार की जानकारी या मदद के लिए संपर्क किया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ गुफा के पास शुक्रवार को बादल फटने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हो गए।

पोस्टर विवाद के बीच पीएम मोदी बोले- मां काली का आशीर्वाद भारत के साथ, आध्यात्मिक ऊर्जा से देश बढ़ रहा आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज स्वामी आत्मस्थानंद के शताब्दी समारोह को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काली पोस्टर विवाद का बिना जिक्र किए ही बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत पर मां काली का असीम आशीर्वाद है। जब आस्था पवित्र होती है तो शक्ति साक्षात हमारा पथ प्रदर्शन करती है। भारत इसी आध्यात्मिक ऊर्जा को लेकर विश्व कल्याण के लिए आगे बढ़ रहा है। माना जा रहा है कि हाल में ही जिस तरीके से डॉक्यूमेंट्री फिल्में काली के पोस्टर को लेकर विवाद हुआ था। उसी के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान सामने आया है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि आज का ये आयोजन मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से भी कई भावनाओं और स्मृतियों से भरा हुआ है। स्वामी आत्मस्थानंद जी ने शतायु जीवन के काफी करीब ही अपना शरीर त्यागा था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे सदैव उनका आशीर्वाद मिला है। ये मेरा सौभाग्य है कि आखरी पल तक मेरा उन से संपर्क रहा। उन्होंने कहा कि आखरी पल तक स्वामी जी का मुझ पर आशीर्वाद बना रहा और मैं ये अनुभव करता रहा कि स्वामी जी महाराज चेतन स्वरूप में आज भी हमें आशीर्वाद दे रहे हैं। मुझे खुशी है उनके जीनव और मिशन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आज दो स्मृति संस्करण, चित्र जीवनी और डॉक्युमेंट्री भी रिलीज हो रही है। मोदी ने कहा कि सन्यासी के लिए जीव सेवा में प्रभु सेवा को देखना, जीव में शिव को देखना, यही सर्वोपरि है। इस महान संत परंपरा को, सन्यस्थ परंपरा को स्वामी विवेकानंद जी ने आधुनिक रूप में ढाला। स्वामी जी ने भी सन्यास के इस स्वरूप को जीवन में जिया, और चरितार्थ किया।

अपने संबोधन में मोदी ने यह भी कहा कि सैकड़ों साल पहले आदि शंकराचार्य हों या आधुनिक काल में स्वामी विवेकानंद, हमारी संत परंपरा हमेशा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का उद्घोष करती रही है। रामकृष्ण मिशन की तो स्थापना 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विचार से जुड़ी हुई है। आप देश के किसी भी हिस्से में जाइए, आपको ऐसा शायद ही कोई क्षेत्र मिलेगा जहां विवेकानंद जी गए न हों, या उनका प्रभाव न हो। उनकी यात्राओं ने गुलामी के उस दौर में देश को उसकी पुरातन राष्ट्रीय चेतना का अहसास करवाया, उसमें नया आत्मविश्वास फूंका। इसी कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि हमारे संतों ने हमें दिखाया है कि जब हमारे विचारों में व्यापकता होती है, तो अपने प्रयासों में हम कभी अकेले नहीं पड़ते। आप भारत वर्ष की धरती पर ऐसे कितने ही संतों की जीवन यात्रा देखेंगे, जिन्होंने शून्य संसाधनों के साथ शिखर जैसे संकल्पों को पूरा किया। उन्होंने कहा कि संकल्प की शक्ति को हम स्वच्छ भारत मिशन में भी देखते हैं। लोगों को विश्वास नहीं था कि भारत में इस तरह का मिशन सफल हो सकता है, लेकिन भारतवासियों ने संकल्प लिया और परिणाम आज दुनिया देख रही है। आज भारत डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में भी वर्ल्ड लीडर के तौर पर उभरा है।

बकरीद: वाघा-अटारी बॉर्डर पर बीएसएफ और पाक रेंजर्स ने किया मिठाइयों का आदान-प्रदान, एक दूसरे को दी बधाई

नई दिल्ली। ईद उल-अज़हा यानी कि बकरीद का त्यौहार आज धूमधाम से मनाया जा रहा है। मुसलमानों के लिए ईद उल फितर के बाद यह सबसे बड़ा त्यौहार है। बकरीद पर मुसलमानों में कुर्बानी देने की परंपरा भी है। इन सबके बीच अमृतसर में वाघा अटारी बॉर्डर पर बीएसएफ और पाक रेंजर्स ने आपस में मिठाई भेंट की है। दोनों देशों के जवान पर्व-त्योहार के मौके पर एक दूसरे को मिठाई देते हैं। यह परंपरा दशकों से चली आ रही है। बीएसएफ कमांडेंट जसबीर सिंह ने बताया कि आज ईद के मुबारक अवसर पर ज्वाइंट चेकपोस्ट अटारी से बीएसएफ के द्वारा पाकिस्तान रेंजर्स को मिठाई भेंट की गई। ये परंपरा बीएसएफ और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच बेहतर तालमेल में सहायक सिद्ध होती है। ये हमारी परंपराओं, सद्भावना की नीति और शांति की पहल के भी परिचायक हैं। आपको बता दें कि यह त्यौहार भारत के साथ-साथ पाकिस्तान में भी धूमधाम से मनाया जाता है। इस परंपरा को दोनों देशों के बीच अच्छे रिश्ते कायम करने में महत्वपूर्ण माना जाता है। इसको लेकर मुसलमानों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस्लाम धर्म का दूसरा सबसे बड़ा त्यौहार है। इस साल यह त्यौहार 10 जुलाई को मनाई जा रही है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार 12वां महीना जु-अल-हज्जा होता है और इसी महीने की 10 वें को बकरीद मनाई जाती है। कैलेंडर के मुताबिक यह तारीख ईद-उल-फितर (ईद) के 70 दिनों बाद आती है।

आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पकड़े गए लोगों से भाजपा के 'निकट संबंध': कांग्रेस

गुवाहाटी/पटना/भुवनेश्वर (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर शनिवार को निशाना साधा और उस पर आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता के संबंध में पकड़े गए व्यक्तियों से ''निकट संबंध'' बनाए रखने के आरोप लगाए। पूर्वी भारत के कम से कम तीन शहरों में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा के आतंकवादियों के साथ कथित ''संबंधों'' का खुलासा करने वाली कई घटनाओं का जिक्र करते हुए सवाल किया कि भाजपा नागरिकों को राष्ट्रवाद का पाठ कैसे पढ़ाती है।

कांग्रेस नेता एवं सांसद रंजीत रंजन ने गुवाहाटी में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कांग्रेस आतंकवाद जैसे गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर राजनीति करने में विश्वास नहीं करती।'' पटना में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय निरुपम ने आरोप लगाया कि उदयपुर में दर्जी की हत्या का मुख्य आरोपी भी भाजपा का सदस्य है। इस मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कर रहा है। भुवनेश्वर में कांग्रेस नेता विंग कमांडर अनुमा आचार्य (सेवानिवृत्त) ने आरोप लगाया कि लश्कर-ए-तैयबा के जिस आतंकवादी तालिब हुसैन शाह को लोगों ने पकड़ा था और जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया था, वह जम्मू-कश्मीर में भाजपा का पदाधिकारी था। कांग्रेस ने देश भर के 23 शहरों में संवादादाता सम्मेलन कर आरोप लगाया कि भाजपा के राष्ट्रवादी होने के दावे फर्जी हैं। भाजपा ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कई घटनाओं का हवाला देकर आरोपलगाया कि कांग्रेस सत्ता में बने रहने के लिए आतंकवादियों से भी हाथ मिला सकती है। राज्यसभा सदस्य रंजन ने कहा, ''भारतीयों को राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने का कोई मौका नहीं चूकने वाली भाजपा और आतंकवादी गतिविधियों में पकड़े गए लोगों के बीच निकट संबंधों के कई खुलासे हमें सत्तारूढ़ दल से कुछ सीधे सवाल पूछने के लिए मजबूर करते हैं।''

उन्होंने कहा कि उग्रवादी से नेता बने निरंजन होजई वर्तमान में राज्य में भाजपा के नेता हैं। होजई को 2017 में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) अदालत ने उग्रवादी गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए सरकारी धन के हेर-फेर से संबंधित एक मामले में दोषी ठहराया था। आचार्य ने आरोप लगाया कि उसी वर्ष, मध्य प्रदेश के आतंकवाद विरोधी दस्ते ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में भाजपा आईटी सेल के एक सदस्य को 10 सहयोगियों के साथ गिरफ्तार किया था। निरुपम ने पटना में कहा कि भाजपा के पूर्व नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व सरपंच तारिक अहमद मीर को आतंकवादी गतिविधियों के वित्त पोषण के आरोप में दो साल पहले गिरफ्तार किया गया था। तीनों नेताओं ने कहा कि खूंखार आतंकवादी मसूद अजहर को कंधार अपहरण के दौरान 1999 में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने रिहा किया था। अजहर ने जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी समूह का गठन किया, जो 2001 के संसद हमले और 2008 के मुंबई हमलों के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि इस संगठन ने 2019 के पुलवामा हमले का भी षड्यंत्र रचा था, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 44 जवान शहीद हो गए थे।

उमा भारती ने नड्डा से कहा, भाजपा शासित राज्यों के लिए समान आबकारी नीति बनाएं

भोपाल। (एजेंसी)।

लंबे समय से मध्य प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी की मांग को लेकर अपनी ही पार्टी की सरकार पर दबाव बना रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा को पत्र लिखकर भाजपा शासित राज्यों के लिए समान आबकारी नीति बनाने की अपील की है। नड्डा को इस बाबत शनिवार को लिखे पत्र में भारती ने मध्य प्रदेश की वर्तमान आबकारी नीति की आलोचना की है। उन्होंने लिखा, ''(मध्यप्रदेश में शराबबंदी की मांग को लेकर) तीन महीने निरन्तर नीति निर्माताें से मेरी मुलाकातों के दौर चले और आज भी मुझे भरोसा है कि उन मुलाकातों का कोई परिणाम आएगा।'' भारती ने कहा, ''मैं लगातार इस संबंध में सक्रिय हूं।

अभी से लेकर अक्टूबर तक मैं अकेले ही शराब की दुकानों एवं अहातों के सामने खड़ी होऊंगी, फिर अक्टूबर में (दो अक्टूबर) गांधी जयंती पर भोपाल की सड़कों पर महिलाओं के साथ मार्च करूंगी।'' उन्होंने कहा,'' मेरी अपील है कि शराब का विरोध एक सामाजिक विषय है राजनीतिक नहीं तथा यह मेरा व्यक्तिगत विषय भी नहीं है। इसलिए जो भी इसके समर्थन में हों वह अपने स्तर से ही प्रयास करें।'' भारती ने इस साल मार्च में भोपाल के आजाद नगर इलाके में एक शराब की दुकान पर पत्थर भी फेंके थे।

निष्पक्ष न्यायिक व्यवस्था लोकतंत्र की सबसे बड़ी जरूरत: नितिन गडकरी

नागपुर। (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि एक मुक्त एवं निष्पक्ष लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र और तटस्थ न्यायिक प्रणाली सबसे बड़ी आवश्यकता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने नागपुर में महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के एक सुविधा खंड के उद्घाटन के मौके पर यह टिप्पणी की। लोकतंत्र के चार स्तंभों- विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया की तारीफ करते हुए गडकरी ने कहा, ''एक स्वतंत्र, तटस्थ और निष्पक्ष न्यायिक प्रणाली एक मुक्त एवं निष्पक्ष लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है।'' उन्होंने समय को सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में कई प्रशासनिक सुधार किए गए हैं।

गडकरी ने कहा, ''कैबिनेट बैठक के दौरान जब न्यायाधिकरणों और अन्य चीजों पर चर्चा होती है तो मैं अक्सर कानून मंत्री और प्रधानमंत्री से कहता हूं कि निर्णय जो भी हो, फैसले करना न्यायपालिका का अधिकार है और यह किसी के प्रभाव में नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने विकास कार्यों के लिए समयसीमा का पालन और देरी की वजहों को दूर करने की भी वकालत की, जिससे देश के हजारों करोड़ रुपये की बचत हो सके। उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण गवई और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा तथा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

भारत सरकार श्रीलंका की मदद करने की कोशिश कर रही है, एस जयशंकर का बयान

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि भारत सरकार हमेशा से श्रीलंका का समर्थन करती रही है और वह आर्थिक संकट का सामना कर रहे अपने पड़ोसी देश की हरसंभव मदद करने की कोशिश कर रही है। जयशंकर ने श्रीलंका की मौजूदा स्थिति के परिणामस्वरूप शरणार्थी संकट की आशंका से भी इनकार किया। केरल के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे विदेश मंत्री ने तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे के बाहर संवाददाताओं से कहा, हम श्रीलंका का हमेशा से समर्थन करते रहे हैं। हम मदद करने की कोशिश कर रहे हैं और हमने हमेशा ही संकट के समय उनकी बहुत मदद की है।

श्रीलंका में मौजूदा आर्थिक संकट के सवाल पर जयशंकर ने कहा, वे अभी अपनी समस्याओं को कम करने के लिए कुछ कदम उठा रहे हैं, इसलिए हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि वे क्या करते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कोई शरणार्थी संकट है, विदेश मंत्री ने कहा, फिलहाल अभी कोई शरणार्थी संकट नहीं है। जयशंकर से संवाददाताओं ने उनके दौरे का कारण भी पूछा, जिस पर उन्होंने जवाब दिया कि इस दौरे के कई कारण हैं।

उन्होंने कहा कि वह यहां अपने पार्टी सहयोगियों के साथ समय बिताना चाहते हैं और समझना चाहते हैं कि वे कैसे काम कर रहे हैं तथा केरल में क्या हो रहा है। केरल में भाजपा की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा कि पार्टी की स्थिति पूरे देश में ही बेहतर है। उन्होंने कहा, इसमें कहीं भी कोई अपवाद नहीं है। लेकिन हम हमेशा कोशिश करेंगे और पार्टी के लिए संभावनाओं को बेहतर बनाने की दिशा में काम करते रहेंगे।

सरकार को ''हमारे खिलाफ कुछ मत कहो'' वाला रवैया नहीं अपनाना चाहिए: सलमान खुर्शीद

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर को गिरफ्तार किए जाने के मामले में जर्मनी की आलोचना पर भारत के पलटवार की पृष्ठभूमि पर रविवार को कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए की प्रतिकूल राय के लिए कोई कारण ही नहीं हो। खुर्शीद ने साथ ही कहा कि सरकार को ''हमारे खिलाफ कुछ मत कहो'' वाला रवैया नहीं अपनाना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि सरकार यह सुनिश्चित करने में निष्क्रिय रही है कि देश का कानून बिना किसी भय के और बिना भेदभाव के लागू किया जाए।''

साथ ही उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो ''हर चीज पर बोलना पसंद करते हैं'' वह एकता के बारे में और ''हम दोबारा एकसाथ कैसे आएं'' इसके बार में क्यों नहीं बोलते। खुर्शीद ने साक्षात्कार में कहा कि यदि वह ऐसे प्रधानमंत्री होते जो चुप रहते हों, तो अगल बात होती लेकिन वह चुप रहने वाले प्रधानमंत्री नहीं हैं, वह बोलते हैं। तो वह इस बारे में कुछ क्यों नहीं बोल रहे हैं। वह यह क्यों नहीं कहते ''चलिए हम साथ आएं, अगर हम बंटे रहे तो यह देश सफल नहीं हो पाएगा।'' विपक्ष की एकता और 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में उसके राह के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा विपक्षी दलों का मुकाबला एक ''बेहद चालक विरोधी''से है और अगर उन्होंने जल्दी काम नहीं किया तो वे पिछड़ जाएंगे। खुर्शीद ने कहा कि इस देश को बचाने के लिए एक साझा मंच बेहद जरूरी है, साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ''जो ऐसा करने में नाकाम रहेंगे, इतिहास उन्हें कभी माफ नहीं करेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शहर के बीचोबीच चल रहे शराब तस्करी का पर्दाफाश,

1.50 करोड़ माल समेत 3 गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद, पीसीबी ने शहर के बीचोबीच चल रहे शराब तस्करी का पर्दाफाश करते हुए विदेशी शराब की 700 पेटियां और कार-ट्रक समेत कुल 1.50 करोड़ रूपए का माल सामान जब्त कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल से 3 तीन शख्सों को भी गिरफ्तार किया है। जबकि चार लोग मौके से भाग गए। जानकारी के मुताबिक पीसीबी को सूचना मिली थी कि चांदखेडा क्षेत्र में राजस्थान से लाई गई शराब शहर समेत राज्य के अन्य हिस्सों में सप्लाई की जाती है। सूचना के आधार पर उस जगह रेड की जहां शराब लाकर हेराफेरी की जाती थी। राजस्थान से लाई गई शराब विभिन्न जगहों पर सप्लाई करने के लिए पहले से

कार समेत अन्य वाहन लगा दिए जाते। शराब लादने के बाद रात में ही वाहन विभिन्न जगह सप्लाई के लिए रवाना हो जाते। सूनसान जगह होने से माफिया काफी समय से शराब तस्करी कर रहे थे। पुलिस ने जब रेड की तब वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। पुलिस ने 3 शख्सों को घटनास्थल से दबोच लिया। जबकि चार लोग मौका पाकर वहां से भागने में सफल हो गए। पुलिस ने घटनास्थल से शराब की 700 पेटियों के साथ ही कार-ट्रक समेत कुल रु 1.50 करोड़ का माल सामान जब्त कर फरार लोगों की तलाश शुरू की है।

नवसारी, वलसाड और कच्छ में बारिश का रेड अलर्ट, सूरत, तापी, डांग में ऑरेंज अलर्ट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शहर समेत राज्यभर में बरसाती माहौल बरकरार है और आगामी 5 दिनों तक यथावत रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने राज्य में अगले चार दिन भारी से अतिभारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। खासकर सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में अतिभारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक आज दक्षिण गुजरात के कुछ हिस्सों में अतिभारी बारिश हो सकती है। सौराष्ट्र-कच्छ में 12 जुलाई को अतिभारी बारिश होगी। भारी से अतिभारी बारिश की संभावना को देखते हुए दक्षिण गुजरात के नवसारी और वलसाड के साथ ही कच्छ में रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं दक्षिण गुजरत के सूरत, तापी, डांग और सौराष्ट्र के जूनागढ़ व गिर सोमनाथ में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस बीच बीते 24 घंटों में राज्य की 193 तहसीलों में व्यापक बारिश हुई है। जिसमें धरमपुर, वांसदा, चीखली, कपराडा, खेरगाम, आहवा, उमरपाडा, संखेला, उच्छल, मुंद्रा, पारडी, वापी, तिलकवाडा, वलसाड, गरूडेश्वर, डोलवण और सोजित्रा इत्यादि तहसीलें शामिल हैं। वहीं आज सुबह के दौरान वघई, देडियापाडा, आहवा, डोलवण, सागबारा, वांसदा और मुंद्रा समेत 69 जितनी तहसीलों में बारिश होने की खबर है। वलसाड की औरंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। नदी का पानी आसपास के इलाकों में घुसने से स्थानीय निवासी समेत प्रशासन में अफरातफरी मच गई है। औरंगा नदी के ऊपरी हिस्से धरमपुर में दो दिन में 16 ईंच बारिश होने से नदी में बाढ़ से हालात हैं। देर रत से ही औरंगा नदी के जलस्तर में लगातार इजाफा हो रहा है और उसका आसपास के रिहायशी इलाकों में घुस गया है। औरंगा नदी का पानी वलसाड के कश्मीरानगर, बरडियावाड और गोलीबार समेत कई रिहायशी क्षेत्रों में घुस गया है। खबर मिलते ही संबंधित विभाग के अधिकारी प्रभावित क्षेत्र में पहुंच गए और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू की। प्रशासन प्रभावित लोगों के लिए शेल्टर होम बनाय है। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में वलसाड नगर पालिका, वलसाड प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमों को भी तैनात कर दिया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 11 जुलाई को नवसारी, वलसाड, डांग और जूनागढ़ में 8 ईंच से अधिक बारिश होने की संभावना है।

सूरत में प्राकृतिक कृषि सम्मेलनः पीएम मोदी

सूरत जिला मॉडल की अखिल भारतीय कृषि मॉडल बनने की क्षमता

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में आयोजित 'प्राकृतिक कृषि सम्मेलन' को एक आभासी संबोधन में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश के एक वर्ग का मानना था कि गांवों में बदलाव लाना आसान नहीं था, लेकिन डिजिटल इंडिया मिशन की सफलता ने उस विश्वास को तोड़ दिया था। इसी तरह सूरत जिले के गांवों और जागरूक किसानों ने साबित कर दिया है कि गांव न सिर्फ बदलाव ला सकते हैं, बल्कि बदलाव का नेतृत्व भी कर सकते हैं. सूरत जिला मॉडल पूरे भारत के लिए एक कृषि मॉडल बनने की क्षमता रखता है। प्राकृतिक कृषि को पृथ्वी और गौमाता, पर्यावरण-प्रकृति के लिए एक सेवा बताते हुए, प्रधान मंत्री ने प्राकृतिक कृषि को भूमि की गुणवत्ता, उत्पादकता और संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया।

नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि स्वतंत्रता के अमृत में उन्होंने प्राकृतिक कृषि, सतत विकास और जीवन शैली सहित विभिन्न मॉडलों पर नेतृत्व करने की योजना बनाई है, जो आने वाले समय में बड़े बदलावों का आधार होगी । 'सौना साथ और सौना विकास' की भावना से देश की आजादी के अमृत में प्रगति का आधार 'सौना प्रयास' की भावना है, जो देश की विकास यात्रा को आगे बढ़ा रही है, प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया।

प्राकृतिक कृषि ने जन आंदोलन करने की पहल की है। सूरत जिला प्रशासन ने अच्छी तरह से संगठित होकर प्राकृतिक कृषि को जन

आंदोलन बनाने की पहल की है। इसमें न केवल गुजरात के लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक आदर्श बनने की क्षमता है। जहां सूरत जिले के 693 गांवों की 556 ग्राम पंचायतों के कुल 41,700 किसानों ने प्राकृतिक कृषि को अपनाकर गैर-विषैले खेती के एक नए अध्याय की ओर कदम बढ़ाया है, वहीं प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सूरत अब हीरे की चमक से विश्व स्तर पर चमक रहा है। उद्योग, प्राकृतिक कृषि में देश का नेतृत्व करेंगे। समितियों ने ब्लॉक स्तर पर सूक्ष्म नियोजन का गठन किया सूरत के जागरूक प्रशासकों, जनप्रतिनिधियों ने गांव, तालुका और जिला स्तर पर समितियों का गठन किया और मार्ग स्तर पर सूक्ष्म नियोजन, कृषि विशेषज्ञों और प्रशिक्षकों के खिलाफ निरंतर मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और कार्यशालाओं की श्रृंखला की, और सूरत ने साबित किया कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ संकल्प किया जाए तो सफलता निश्चित है।उन्होंने इस सफलता के लिए सूरत के सिस्टम ऑपरेटरों को बधाई दी।

राज्यपाल ने किसानों का मार्गदर्शन किया

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देववर्त ने स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के अवसर पर सूरत जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक प्राकृतिक कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात राज्य पूरे देश में कृषि के क्षेत्र में एक आदर्श बन जाएगा। राज्यपाल ने इस अवसर पर किसानों को कृषि और किसानों के उत्थान के साथ-साथ देश की आर्थिक समृद्धि के लिए प्राकृतिक कृषि को अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिए हरित क्रांति के रूप में प्राकृतिक कृषि को अपनाना समय की मांग है। देश के कृषि वैज्ञानिकों ने इसके लिए एक सराहनीय कार्य किया जिसने देश को खाद्य क्षेत्र को आत्मनिर्भर बना दिया। लेकिन अब रासायनिक खेती के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण के साथ-साथ गौमाता की सुरक्षा भी मानव जीवन और स्वास्थ्य, समाज पर आधारित है और हमारा आहार कृषि प्रणाली पर आधारित है, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हमेशा से प्रकृति और संस्कृति से कृषि प्रधान देश रहा है। धरती मां को विषाक्त पदार्थों और गुणवत्ता से मुक्त रखने की हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। प्राकृतिक खेती करने वाला किसान धरती माता की सेवा कर रहा है। प्रकृति और पर्यावरण की सुरक्षा के साथ-साथ गौमाता की भी रक्षा होगी। प्राकृतिक खेती खुशी के साथ सुर्वे भवन्तु सुखिनो की भावना का भी प्रतीक है। भारत सदियों से अग्रणी रहा है क्योंकि आज दुनिया भर में स्वच्छ भोजन के बारे में चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, ''हमारे शास्त्र पारंपरिक प्रकृति आधारित कृषि की महिमा का भी वर्णन करते हैं।''

राज्यपाल के नेक प्रयासों से विश्व में रसायन मुक्त कृषि उत्पादों की लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, इसका उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार पिछले आठ वर्षों से अधिक से अधिक किसान बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। देश में प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक उन्होंने इस संबंध में गुजरात के राज्यपाल की सराहना की और कहा कि आचार्य देवव्रतजी ने स्वयं प्राकृतिक खेती की और इसके अद्भुत परिणाम आम किसानों तक पहुँचाए। राज्य सरकार के सहयोग और राज्यपाल के नेक प्रयासों से प्राकृतिक खेती का अभियान गांवों तक पहुंच गया है.

प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक कृषि को 'नमामि गंगा परियोजना' से जोड़ा है। उन्होंने प्राकृतिक कृषि को 'नमामि गंगा परियोजना' से भी जोड़ा है और प्राकृतिक कृषि उत्पादों के प्रमाणन के लिए एक प्रणाली तैयार की है ताकि प्राकृतिक खेती में लगे किसानों को अधिक लाभ मिल सके। कीमतें। ताकि विदेशों में कृषि उत्पादों का निर्यात अच्छे दामों पर हो सके। वैज्ञानिक, स्वैच्छिक संगठन, गैर सरकारी संगठन उन्होंने किसानों से आगे आने और उन्हें मजबूत बनाने के लिए प्रयास करने का आग्रह किया।